

श्वेता विजन

“नजरिया साफ, खड्डरें निष्पक्ष”

हिंदी दैनिक समाचार पत्र

सीनियर सिविल
जज और डिस्ट्रिक्ट
लीगल सर्विसेज
अथॉरिटी (कै।) की
सेक्रेटरी श्रीमती ए.
श्रीदेवी ने फातिमा
ओल्ड एज होम का
दौरा किया

3

बुधवार 23 सितम्बर 2026

हैदराबाद से प्रकाशित

WEB SITE : Shwetha.co.in

संपादक : रघुराम राजू कालीदिंडी

पृष्ठ - 1। अंक - 8। वर्ष - 8। मूल्य - 3₹

धी-एससी में रोष जगन — गवर्नर से मीटिंग

16 में पॉलिटिक्स गरमाई
के अपॉइंटमेंट्स पर पॉलिटिकल
हंगामा
जगन गवर्नर से मिलेंगे
जगन ने इस विवाद पर गवर्नर से
शिकायत की
के और एक्टिविस्ट्स पर हमले मुख्य
मुद्दे हैं

आंध्र प्रदेश में मेगा कैब अपॉइंटमेंट्स का मुद्दा दिन-ब-दिन पॉलिटिकल रूप से गरमाता जा रहा है। लैम्बे जहां टीचर अपॉइंटमेंट्स में गड़बड़ी का आरोप लगा रही हैं, वहीं गठबंधन सरकार कह रही है कि अपॉइंटमेंट प्रोसेस नियमों के मुताबिक किया गया था। यह विवाद अब एक बार फिर विजयवाड़ा में चर्चा का विषय बन गया है। 21 सितंबर को, जब लैम्बे ने विजयवाड़ा में स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ आंध्र प्रदेश ऑफिस पर विरोध प्रदर्शन किया तो तनाव के हालात पैदा हो गए। पुलिस ने विरोध प्रदर्शन को रोक दिया और कई आंदोलनकारियों को हिरासत में ले लिया।

यह कैब विवाद असल में कहाँ से शुरू हुआ? मुख्य रूप से मेगा कैब-2025 में टीचर पोस्ट्स को भरने, खासकर स्पोर्ट्स कोटे से अपॉइंटमेंट्स को लेकर सवाल उठाए गए। कुछ लैम्बे नेता कैंडिडेट्स की क्वालिफिकेशन, सर्टिफिकेट वेरिफिकेशन और वेरिफिकेशन प्रोसेस पर शक जता रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री बाईएस जगन ने आरोप लगाया कि जम्प में एक कैंडिडेट को मिले मार्क्स और उसके बाद हुए क्वालिफिकेशन वेरिफिकेशन के बारे में अधिकारियों की दी गई बातों में विरोधाभास था। उन्होंने सवाल किया कि एक कैंडिडेट ने सात स्टेज का वेरिफिकेशन कैसे पास कर लिया। हालांकि, अधिकारियों का कहना है कि ये आरोप लैम्बे ने लगाए



हैं और वे इनकी जांच कर रहे हैं। इस विवाद में एक और अहम मुद्दा स्पोर्ट्स कोटा है। 2025 मेगा कैब में स्पोर्ट्स कोटे के तहत 372 टीचर की पोस्ट भरी गई हैं। खबर है

कि इन पोस्ट के लिए बिना रिटन टेस्ट के सिलेक्शन किया गया और सर्टिफिकेट के आधार पर अपॉइंटमेंट किए गए। हालांकि, चुने गए टीचरों का कहना है कि उनकी अपॉइंट-

रिश्वतखोरी मामले में केरल सरकार का बड़ा फैसला, पिनाराई विजयन और उनके परिवार के खिलाफ जांच के आदेश

तिरुवनंतपुरम: केरल सरकार ने सीएमआरएल-एक्सलॉजिक के बीच हुए वितीय लेन-देन से जुड़े आरोपों की पुलिस जांच के आदेश दिए हैं। इन आरोपों में विपक्ष के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन, उनकी बेटी टी. वीना और उनके प्रति पत्नी पूर्व मंत्री पी.ए. मोहम्मद रियास शामिल हैं। इस मामले की जांच क्राइम ब्रांच की एक खास टीम करेगी, जिसके प्रमुख अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एच. वैकटेश होंगे। गृह मंत्री रमेश चैनिथला ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रवर्तन निदेशालय की रिपोर्ट की जांच का जिम्मा पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को सौंपने का फैसला किया है। यह फैसला सरकार द्वारा महाविपत्ता (एजी) की कानूनी राय पर



विचार करने के बाद लिया गया। महाविपत्ता ने ईडी की रिपोर्ट पर आगे की कार्रवाई के बारे में फैसला राज्य पुलिस पर छोड़ दिया था। यह घटनाक्रम प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की उस रिपोर्ट की कानूनी जांच के बाद हुआ है, जिसमें मनी लॉन्ड्रिंग की

जांच के दौरान इकट्ठा की गई जानकारी के आधार पर ऋद्धाचार का मामला दर्ज करने की मांग की गई थी। खबरों के मुताबिक एडवोकेट जनरल (अड) ने सलाह दी है कि अगर ईडी घड़ी जानकारी से किसी संज्ञेय अपराध (बवडपेइसम यमिदवम) का पता चलता है, तो यह पुलिस की आगे की कार्रवाई का आधार बन सकती है। ईडी ने आरोप लगाया है कि सीएमआरएल (कोयीन मिनरल्स एंड रुटाइल लिमिटेड) ने विजयन को 3.28 करोड़ रुपये और वीणा की अब बंद हो चुकी कंपनी एक्सलॉजिक सॉल्यूशंस को 2.78 करोड़ रुपये का भुगतान किया।



आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग देवघर आते हैं। उन्होंने कहा कि देवघर आने के दौरान उन्हें अपने क्षेत्र के लोगों से भी मुलाकात करने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि संथाल परगना बिहार से सटा हुआ क्षेत्र है और यहां बिहार से आकर बड़ी संख्या में लोग बसे हुए हैं। ऐसे में वह बिहार के विकास और सरकार की योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाने का काम करते हैं। उन्होंने बिहार में

एनडीए सरकार के कामकाज का उल्लेख करते हुए कहा कि झारखंड में भी एनडीए की सरकार बनने से राज्य के विकास को गति मिल सकती है। भागलपुर विधायक ने आगामी 1 अक्टूबर से विक्रमशिला पुल की मरम्मत शुरू होने की जानकारी देते हुए कहा कि मरम्मत कार्य के कारण करीब दो महीने तक पुल पर आवागमन प्रभावित रहेगा, उन्होंने कहा कि विक्रमशिला पुल भागलपुर और नवगछिया समेत आसपास के इलाकों को जोड़ने वाली महत्वपूर्ण कड़ी है। प्रतिदिन हजारों लोग इस पुल के माध्यम से गंगा के आर-पार आवागमन करते हैं। उन्होंने कहा कि आम लोगों की परेशानी को देखते हुए गंगा पार आवागमन के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है, इसके तहत नाव के साथ-साथ पानी

करूर भगदड़ की पहली बरसी: 41 मृतकों को श्रद्धांजलि देने पहुंचेंगे मुख्यमंत्री विजय, बड़ी तैयारी

चेन्नई: तमिलनाडु के करूर में हुए दर्दनाक हादसे की पहली बरसी पर, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय 27 सितंबर को करूर का दौरा करेंगे, इस दौरान सीएम विजय उस भीषण भगदड़ में अपनी जान गंवाने वाले 41 लोगों को भावभीनी श्रद्धांजलि देंगे, एक तरफ जहां मुख्यमंत्री का यह दौरा पीड़ितों के जख्मों पर मरहम लगाने की कोशिश है, वहीं दूसरी तरफ इस हादसे से जुड़ा कानूनी विवाद अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है, स्मारक की आधारशिला रखने की तैयारी मुख्यमंत्री विजय ने पिछले जुलाई में अपने करूर दौरे के दौरान घोषणा की थी कि उन 41 लोगों की याद में करूर के वेलुच्चागिपुरम में एक स्मारक (मेमोरियल) बनाया

जाएगा, खबरों के मुताबिक मुख्यमंत्री विजय वेलुच्चागिपुरम में हादसे में मारे गये लोगों की याद में बनने वाले भव्य स्मारक की आधारशिला भी रखेंगे, मुख्यमंत्री का पद संभालने के बाद विजय का करूर का यह दूसरा दौरा होगा, करूर में जट्टा रैली के दौरान मची भगदड़ की घटनाओं का, तत्कालीन सांसद हेमा मालिनी के नेतृत्व में आठ सदस्यीय छव। प्रतिनिधिमंडल ने मौके पर जाकर जायजा लिया था, यह तस्वीर मंगलवार 30 सितंबर 2025 की है, (फाइल/छपदंतश्रव) विधानसभा उपचुनाव का प्रचारतमिलनाडु के मंदुरतकम और घरपुरम विधानसभा क्षेत्रों के लिए उपचुनाव 8 अक्टूबर को होने तय हुए हैं, मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक,

मुख्यमंत्री विजय इस चुनाव में खड़े तमिलनाडु चेन्नी कडगम (जट्टा) के उम्मीदवारों के समर्थन में प्रचार करने की योजना बना रहे हैं, इस तय कार्यक्रम के तहत, वे 25 सितंबर को मंदुरतकम और 26 सितंबर को घरपुरम में चुनाव प्रचार करेंगे, जिसके बाद 27 सितंबर को करूर पहुंचेंगे, करूर हादसे का घटनाक्रमकरूर में 27 सितंबर, 2025 को 'तमिलनाडु वेन्नी कडगम' (जट्टा) द्वारा आयोजित एक चुनावी जनसभा के दौरान मची भगदड़ में 41 लोगों की मौत हो गई थी, फिलहाल केंद्रीय जांच ब्यूरो (सी.बी.आई.) इस मामले की जांच कर रही है, इस बीच, मृतकों के परिवारों को राहत सहायता प्रदान की गई, साथ ही प्रभावित परिवारों के कुछ सदस्यों को

तेलंगाना की ईगल फोर्स के डायरेक्टर संदीप शांडिल्य (पै) को ड्रग कंट्रोल के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से राष्ट्रीय स्तर का पुरस्कार मिला।

अमीर हुसैन, क्राइम ब्यूरो चीफ तेलंगाना की ईगल फोर्स ने ड्रग तस्करी और नशीले पदार्थों के दुरुपयोग से निपटने और ड्रग-विरोधी कार्रवाई को मजबूत करने के अपने प्रयासों के लिए सात प्रमुख पैमानों पर 80 प्रतिशत से अधिक स्कोर करके राष्ट्रीय स्तर पर पहचान हासिल की है।

'केंद्र द्वारा तय सात पैमानों में 80 प्रतिशत से अधिक स्कोर किया' ईगल फोर्स को अपने प्रयासों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली। वल्लू सी.पी. आनंद ने ईगल फोर्स के डायरेक्टर संदीप शांडिल्य और कर्मचारियों को बधाई दी।

'मकसद आने वाली पीढ़ियों को ड्रग्स के खतरों से बचाना है, वल्लू सी.पी. आनंदहैदराबाद, 22 सितंबर - तेलंगाना पुलिस विभाग ने ड्रग्स और नशीले पदार्थों को नियंत्रित करने में एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर अपना बेहतरीन प्रदर्शन दिखाया है। डायरेक्टर संदीप शांडिल्य के नेतृत्व में तेलंगाना ईगल फोर्स द्वारा किए गए समन्वित उपायों, जांच और रोकथाम की पहल को केंद्र सरकार से मान्यता मिली है।

ईगल फोर्स के डायरेक्टर को मंगलवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से राष्ट्रीय स्तर का पुरस्कार मिला।

यह सम्मान नई दिल्ली में 22 और 23 सितंबर को नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की देखरेख में आयोजित एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (छज्ज) प्रमुखों के तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान घोषित किया गया। सम्मेलन में देश भर में नशीले पदार्थों की अवैध तस्करी को रोकने, राज्यों के बीच समन्वय, जांच क्षमताओं को मजबूत करने और नारकोटिक्स कंट्रोल सिस्टम को बेहतर बनाने की रणनीतियों पर चर्चा की जा रही है।

ईगल फोर्स सात पैमानों में अबल केंद्र सरकार द्वारा तय सात प्रमुख पैमानों के आधार पर विभिन्न राज्यों की एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स के प्रदर्शन का आकलन किया गया। तेलंगाना ईगल फोर्स ने इन पैमानों पर 80 प्रतिशत से अधिक स्कोर किया।

1. खुफिया ऑपरेशन (पूजमससपडमयम खमतंजपवदे)
2. सिंथेटिक ड्रग कंट्रोल
3. अभियोजन (त्तवेमबनजपवदे)
4. मांग और नुकसान में कमी (कमतंदक दक नुतु लकनबजपवदे)
5. समन्वय और क्षमता निर्माण (खवतकपदंजपवदे दक बंयबजल तनतसकपदद)
6. अनुसंधान और विश्लेषण (त्मेमंतवी



दक [दसलेपे]

7. प्रशासन और लॉजिस्टिक्स (कउपदपेजतंजपवद 'क स्वहेपेजपवे)अभियोजन प्रक्रिया को और मजबूत करने के लिए तेलंगाना में विशेष उपाय किए गए हैं। कानूनी तलाशी, न्यायिक विश्लेषण, गवाहों की सुरक्षा और अभियोजन सहायता जैसे क्षेत्रों के लिए समर्पित सेल स्थापित किए गए हैं। कल्लू ने सभी जिलों में ड्रग कंट्रोल के उपायों की समीक्षा की। कल्लू द.ट. आनंद, जिन्होंने ड्रग कंट्रोल को बहुत ज्यादा प्राथमिकता दी है, ने 'मल्लम फोर्स के अधिकारियों के साथ कई समीक्षा बैठकें की हैं। अलग-अलग जिलों के दौरे के दौरान, उन्होंने पुलिस सुपरिटेण्डेंट और युनिट अधिकारियों को नशीले पदार्थों की तस्करी और सेवन पर खास तौर पर ध्यान देने का निर्देश दिया। इन कोशिशों के तहत, अधिकारी जमीनी स्तर पर जानकारी जुटाने, मामलों की जांच करने, कल्लू द.ट. आनंद ने कहा कि तेलंगाना सरकार है और ड्रग्स को कंट्रोल करने के लिए पुलिस विभाग द्वारा ज्यादा सख्त रवैया अपनाने की जरूरत पर जोर दिया।

कल्लू ने केंद्र सरकार द्वारा तय किए गए मानकों को पूरा करने में 'मल्लम

फोर्स, जिला पुलिस यूनित और दूसरे संबंधित विभागों की मिली-जुली को, शिष्टों की तारीफ की। उन्होंने उन अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई दी जिनकी को शिष्टों से तेलंगाना 'मल्लम फोर्स को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली। तेलंगाना पुलिस का फोकस साइबर क्राइम और ड्रग कंट्रोल पर तेलंगाना पुलिस विभाग ने कहा है कि उसने इन क्षेत्रों में अपने प्रदर्शन के आधार पर दो अहम क्षेत्रों को साइबर क्राइम कंट्रोल और एंटी-नारकोटिक्स एनफोर्समेंट कृ में राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी स्थान हासिल किया है। विभाग दूसरे क्षेत्रों में भी अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए खास एक्शन प्लान तैयार कर रहा है। नए राष्ट्रीय अपराधिक कानूनों को लागू करने के साथ-साथ 'कल्लू (इंटरऑपरेशन क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम) और 'कल्लू (क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम) जैसे सिस्टम पर भी खास ध्यान दिया जाएगा। कल्लू ने कहा कि जिन क्षेत्रों में सुधार की जरूरत है, उन्हें ठीक करने के लिए खास अभियान चलाए जाएंगे और विभाग की कुल रैंकिंग और असरदार कामकाज को मजबूत करने के मकसद से प्रदर्शन की लगातार समीक्षा की जाएगी।

सीनियर सिविल जज और डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी (कै.) की सेक्रेटरी श्रीमती ए. श्रीदेवी ने फातिमा ओल्ड एज होम का दौरा किया



क्राइम ब्यूरो चीफ, अमीर हुसैन

हैदराबाद के नामपल्ली सेशन डिवीजन में डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी (कै.) की सेक्रेटरी श्रीमती ए. श्रीदेवी ने हैदराबाद के फलकनुमा में स्थित फातिमा ओल्ड एज होम का दौरा किया। दौरे के दौरान, उन्होंने यहां रहने वाले बुजुर्गों से प्यार से बातचीत की और उनका हाल-चाल जाना। उन्होंने होम के हुंवारजी श्री सैयद अब्दुल वासी (जो हाई कोर्ट के वकील भी हैं) और स्टाफ से यहां रहने वालों को दी जाने वाली सुविधाओं, खाने, पीने के पानी, मेडिकल देखभाल और राहत-संफाई के मानकों के बारे में जानकारी ली।

दी जा रही सेवाओं का निरीक्षण करने के बाद, श्रीमती ए.



श्रीदेवी ने बुजुर्गों की जरूरतों और चिंताओं के बारे में व्यक्तिगत रूप से जानकारी ली। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बुजुर्गों के लिए सम्मानजनक जीवन, सुरक्षा, अच्छी सेवा और मानसिक शांति सुनिश्चित करना सभी की जिम्मेदारी है। श्रीमती ए. श्रीदेवी ने हुंवारजी और स्टाफ सदस्यों के साथ मिलकर बुजुर्गों के साथ खाना भी खाया। साथ में खाना खाना बुजुर्गों के प्रति स्नेह और जुड़ाव का एक तरीका था। उन्होंने बुजुर्गों के अधिकारों, उन्हें मिलने वाली कानूनी सुरक्षा और मुफ्त कानूनी सहायता की उपलब्धता के बारे में बताया। उन्होंने उन्हें जानकारी दी कि जो बुजुर्ग आर्थिक तंगी के कारण कानूनी मदद चाहते हैं, उन्हें डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी के जरिए मुफ्त कानूनी सहायता दी जाती है। यह सुझाव दिया गया कि अगर बुजुर्गों को संपत्ति, विरासत या परिवार के सदस्यों द्वारा उत्प्रेषण और उत्पीड़न से जुड़ी कोई समस्या हो, तो वे संबंधित लीगल सर्विसेज



अथॉरिटी से संपर्क करें। यह भी बताया गया कि कै. (डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी) जरूरत पड़ने पर कानूनी सहायता, कानूनसंगीत और अन्य सेवाएँ देने के लिए तैयार है। हुंवारजी श्री सैयद अब्दुल वासी (हाई कोर्ट के वकील) और स्टाफ ने होम में रहने वाले बुजुर्गों को दी जा रही सेवाओं के बारे में बताया। श्रीमती ए. श्रीदेवी ने बुजुर्गों के प्रति स्टाफ द्वारा दिखाई गई देखभाल और ध्यान की सराहना की। इस कार्यक्रम के दौरान, बुजुर्गों के अनुभवों और जरूरतों को समझने के लिए उनके साथ समय बिताया गया, जिससे उनमें अपनापन और भरोसा जगा। इस बात पर जोर दिया गया कि यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि सरकार और कानूनी सेवा संगठनों द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली योजनाएँ और सेवाएँ बुजुर्गों के कल्याण के उन तक पहुँचें।

निजाम इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (छप्पै), हैदराबाद के एडिशनल मेडिकल सुपरिटेण्डेंट श्री नोरी लक्ष्मी भास्कर के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया गया।

अमीर हुसैन, क्राइम ब्यूरो चीफ

श्री नोरी लक्ष्मी भास्कर (पिता: सत्यनारायण, उम्र: 56 वर्ष, पद: एडिशनल मेडिकल सुपरिटेण्डेंट, छप्पै हैदराबाद, पता: फ्लैट नंबर 811, ए ब्लॉक, कल्पतरु अपार्टमेंट्स, एरंगड्डा, हैदराबाद) के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया गया है। आरोप है कि उन्होंने अपनी नौकरी के दौरान भ्रष्टाचार और गलत तरीकों से अपनी ज्ञात आय के स्रोतों से कहीं अधिक संपत्ति जमा की है।

भूँकि यह भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (2018 में संशोधित) की धारा 13(1)(इ) और 13(2) के तहत दंडनीय अपराध है, इसलिए 22-09-2026 को उनके घर और उनके रिश्तेदारों, दोस्तों, बेनामीदारों और अन्य सहयोगियों से जुड़ी सात अन्य जगहों पर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान कई संपत्तियाँ और निवेशों के दस्तावेज मिले, जिनमें शामिल हैं: एक ऊँची इमारत वाली गेटेड कम्युनिटी में चार बेडरूम का फ्लैट कुकटपल्ली में ऊँची इमारत वाली गेटेड कम्युनिटी में दो तीन-बेडरूम फ्लैट मणिकोण्डा, पेटवशीरबाद और कुकटपल्ली में पांच दो-कमरों वाले फ्लैट यादद्री, नंदीगामा और शमीरपेट में चार खुले प्लॉट और विशाखापत्तनम शहर (आंध्र प्रदेश) में 800 वर्ग गज का एक खुला प्लॉट। इसके अलावा, 41,00,000 रुपये का बैंक बैलेंस, पोस्ट ऑफिस में 12,00,000 रुपये की जमा राशि, निजी वित्तीय संस्थाओं में 35,00,000 रुपये का निवेश, म्यूचुअल फंड में



29,55,000 रुपये का निवेश, लगभग 517.8 ग्राम सोने के गहने, चार पहिया वाहन (एक जगुआर,

एक ऑडी, एक टाटा नेक्सन), चार दोपहिया वाहन (रॉयल एनफील्ड, वेस्पा, एक्टिवा, यामाहा) और 5,00,000 रुपये कीमत के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स भी मिले। इन सभी संपत्तियों की कुल कीमत 6,13,00,000 रुपये है। चल और अचल संपत्ति की बाजार कीमत, दस्तावेज में लिखी कीमत से कई गुना ज्यादा हो सकती है।

इसके अलावा, यह पता चला है कि उन्होंने एक फ्लैट खरीदने के लिए 41,30,00,000 का निवेश किया था, जो कच्चे के पास विवादित था। उन्होंने अलग-अलग लोगों को 41,33,00,000 हाथ-उधार (हैंडक सवेंदे) के तौर पर भी दिए थे।

अतिरिक्त संपत्तियों की ओर जांच चल रही है। मामले की जांच की जा रही है।

फोन नंबर-1084 (टोल-फ्री नंबर) पर कॉल करें। अगर कोई सरकारी कर्मचारी रिश्ता मांगता है, तो जनता से अनुरोध है कि वे कानून के अनुसार कार्रवाई के लिए एड के टोल-फ्री नंबर 1084 पर संपर्क करें। एड तेलंगाना से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'जे।एच। (9440446106), थंमडववा (जमसंदहंद (इड) और * (घ्यहले जूजजमत - /जमसंदहंद (इड) के जरिए भी संपर्क किया जा सकता है। एड तेलंगाना से संपर्क करने के लिए सभी सरकारी दफ्तरों और प्रमुख सार्वजनिक जगहों पर एड का फन कोड भी लगाया गया है। पौडिाशिकायतकर्ता का नाम और जानकारी गुप्त रखी जाएगी। एटी-करप्शन ब्यूरो, ज.ळ., हैदराबाद।

गोदाली पार्टी का टीचरों पर हमला समाज के लिए एक झटका है

— मंत्री योंडापल्ली



अमरावती, 22 सितंबर: राज्य के माइक्रो, स्मॉल और मीडियम एंटरप्राइजेज, सरल पॉवर्टी एंतिविएशन, एम्पावरमेंट और डायस्पोरा रिलेशंस मिनिस्टर श्री कोंडापल्ली श्रीनिवास ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि गोदाली पार्टी के नेताओं का टीचरों पर हमला समाज के लिए एक झटका है। मंत्री कोंडापल्ली ने लेख के गुंडों द्वारा टीचरों और स्पोर्ट्स अथॉरिटी के कर्मचारियों पर किए गए हमले की कड़ी निंदा की, जो मेगा कैबे स्पोर्ट्स कोर्टा के तहत ट्रांसपेरेंट तरीके से नौकरी पाने के लिए विजयवाड़ा में 14 ऑफिस में एक पिटीशन देने आए थे। उन्होंने कहा कि लेख के गुंडे, दंगाई और भीड़ उन टीचरों पर पत्थर, अंडे और बोलतों से हमला कर रहे हैं जो स्टूडेंट्स को भारत का भविष्य का नागरिक बनाना सिखाते हैं, और उन्हें गालियाँ दे रहे हैं, यह गोदाली पार्टी की बुराई का सबूत है। मंत्री ने उन टीचरों को डराने-धमकाने के अमानवीय काम की कड़ी निंदा की, जिन्होंने अपने भविष्य के लिए नौकरी पाने के लिए कड़ी मेहनत की है। उन्होंने कहा कि गठबंधन सरकार ने सत्ता में आते ही बेरोजगार युवाओं के सपने पूरे किए और मेगा कैबे के जरिए 16,000 नियुक्तियाँ बहुत ही ट्रांसपेरेंट तरीके से पूरी कीं। मंत्री ने आलोचना की कि स्पोर्ट्स कोर्टा समेत हर नियुक्ति कानूनी तौर पर और मेरिट के आधार पर की गई। पवित्र टीथिंग प्रोफेशन में आए उम्मीदवारों के आत्म-सम्मान को बेनुयाद आरोपों से नुकसान पहुंचाना शर्मनाक है। मंत्री ने साफ किया कि जिन टीचरों और खिलाड़ियों को नौकरी मिल गई है, उन्हें किसी डरने की जरूरत नहीं है। गठबंधन सरकार उनके आत्म-सम्मान और सुरक्षा की रक्षा के लिए पूरी तरह से तैयार है। मंत्री ने कहा कि लोकतंत्र में विरोध करने के तरीके होते हैं, लेकिन अगर कानून-व्यवस्था अपने हाथ में ली गई है।

प्रेस रिलीज



एलुरु, 22 सितंबर: डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर के. वेदिसैल्वी ने स्टेट लैंड एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट की चीफ कमिशनर जी. जयलक्ष्मी को बताया कि अक्टूबर महीने में जिले के 38 गांवों में 27 हजार 114 पट्टादार पासबुक बांटने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। पट्टादार पासबुक बांटने, 22। जमीन के नामलों का हल, सी-सर्वे, रेवेन्यू के मामले, छह एप्लीकेशन का हल वगैरह का रियू स्टेट लैंड एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट की चीफ कमिशनर जी. जयलक्ष्मी ने मंगलवार को स्टेट सेक्रेटरीएट से राज्य के डिस्ट्रिक्ट कलेक्टरों के साथ 'ववड कॉन्फेंस' के जरिए किया। इस मौके पर बोलते हुए ब्क। जयलक्ष्मी ने कहा कि अक्टूबर महीने में पट्टादार पासबुक बांटने के लिए एक पक्का प्लान बनाया जाए और 22। जमीन के मामलों पर मिले एप्लीकेशन को नियमों के मुताबिक तय समय में हल करने के लिए कदम उठाए जाएं। सी-सर्वे का काम तय टारगेट के हिसाब से पूरा किया जाए। वे छह के जरिए मिले एप्लीकेशन पर एप्लिकेट्स से मिलकर प्रॉब्लम को समझना चाहते हैं और क्वालिटी सॉल्यूशन के लिए कदम उठाना चाहते हैं। एलुरु जिले से डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर के. वेदिसैल्वी ने 'ववड कॉन्फेंस' में हिस्सा लिया। इस मौके पर कलेक्टर वेदिसैल्वी ने कहा कि सितंबर महीने में जिले के 32 गांवों में 13,131 पट्टादार पासबुक बांटी गई, और अक्टूबर महीने में जिले के 38 गांवों में 27,114 पट्टादार पासबुक बांटने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। इस महीने की 15 जून से 21 तारीख तक जिले में 22। जमीन के मामलों पर 480 एप्लीकेशन मिलीं, जिनमें से 210 एप्लीकेशन का सॉल्यूशन कर दिया गया, और 193 एप्लीकेशन जो नियमों के मुताबिक नहीं थी, उन्हें कारण बताकर रिजेक्ट कर दिया गया। उन्होंने कहा कि 77 पेंडिंग एप्लीकेशन को तय समय में सौल्व करने के लिए कदम उठाए जाएंगे। कलेक्टर वेदिसैल्वी ने बताया कि वे फील्ड लेवल पर एप

चिंतलपुडी डस्। ने जंगारेड्डीगुडेम शहर में ज्वक्क घरों का इंस्पेक्शन किया

जंगारेड्डीगुडेम, एलुरु जिला:चिंतलपुडी

डस्। सोमा रोशन कुमार ने सोमवार को जंगारेड्डीगुडेम शहर में बन रहे ज्वक्क घरों का इंस्पेक्शन किया। शहर के बाहरी इलाके मार्कंडेय पुरम ज्वक्क लेआउट पहुंचे डस्। ने अधिकारियों और कॉन्स्ट्रक्टर से वहां कंस्ट्रक्शन के काम की प्रोग्रेस के बारे में पूछा। वह हर ब्लॉक में गए और खुद कंस्ट्रक्शन की क्वालिटी और बेसिक सुविधाएं बनाने के तरीके का इंस्पेक्शन किया। इस मौके पर डस्। रोशन कुमार ने कहा, "पिछली सरकार के दौरान ज्वक्क घरों का कंस्ट्रक्शन अपने हाल पर छोड़ दिया गया था, लेकिन गठबंधन सरकार का मकसद गरीबों का अपना घर का सपना पूरा करना है। इसीलिए हमने काम तेज कर दिया है। कहीं भी क्वालिटी से कोई कॉम्प्रोमाइज नहीं होना चाहिए। फ्रेश वाटर सप्लाई, ड्रेनेज, सड़कें और बिजली की सुविधाएं पूरे जोरों पर होनी चाहिए।" उन्होंने अधिकारियों को साफ निर्देश दिए। हम दिसंबर तक घर पूरा करके सौंप देंगे डस्। ने भरोसा दिलाया कि बेनिफिशियरी कई सालों से घरों का इंतजार कर रहे हैं और उनका इंतजार दिसंबर में खत्म हो जाएगा। उन्होंने कहा, "हम दिसंबर तक बाकी सारा काम 100% पूरा कर लेंगे और एलिजि."



बल बेनिफिशियरी को घर सौंप देंगे। हमने इस बारे में अधिकारियों के लिए एक डेबलाइन तय की है। हर हफ्ते प्रोग्रेस पर एक रिपोर्ट दी जानी

चाहिए।" डस्। के साथ मुनिसिपल कमिशनर, ज्वक्क क्, डे. कोएलेशन लीडर, लोकल ज्वक्क जनसेना और उअन लीडर भी थे।

इंडस्ट्रियल टैलेंट के लिए रीजनल कैपिटल

— अमरावती रीजनल कॉन्फ्रेंस 16 अक्टूबर को विजयवाड़ा में होगी
— मेन कॉन्फ्रेंस से पहले इन्वेस्टमेंट के लिए अच्छा माहौल
— उम्मीदवार एंटरप्रेन्योर्स के लिए एक शानदार मौका
— हर तरह की मदद और सहयोग देने के लिए तैयार

— खर्चे से डेढ़ने को बहुत बढ़ावा मिलेगा
— डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर डॉ. जी. लक्ष्मी
प्रेस रिलीज विजयवाड़ा, 22 सितंबर, 2026
विकासशील भारत और स्वर्ण 2047 के इकोनॉमिक लक्ष्यों के हिसाब से, 31वीं व्ष पार्टनरशिप कॉन्फ्रेंस 12 और 13 नवंबर को विशाखापत्तनम में होगी। इससे पहले, विशाखापत्तनम, काकीनाडा, अमरावती, अनंतपुर और तिरुपति में रीजनल कॉन्फ्रेंस होगी, छत्त डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर डॉ. जी. लक्ष्मी ने कहा। अमरावती रीजनल कॉन्फ्रेंस 16 अक्टूबर को विजयवाड़ा में होगी। आठ जिलों के कलेक्टर और अधिकारी मिलकर इस कॉन्फ्रेंस को सफल बनाने के लिए कोऑर्डिनेट करेंगे।

अमरावती रीजनल कॉन्फ्रेंस की तैयारी मीटिंग मंगलवार को वर्युअली हुई। डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर और अमरावती रीजनल कॉन्फ्रेंस की मेबर कन्वीनर डॉ. जी. लक्ष्मी ने कलेक्ट्रेट श्री एवीएस रेड्डी हॉल से मीटिंग में हिस्सा लिया। इसी तरह, गुंटूर कलेक्टर सी.एम. साईकांत वर्मा, पालनाडु कलेक्टर डॉ. कृ. तिका शुक्ला, मरकापुरम कलेक्टर एम. विजया सुनीता, प्रकाशम कलेक्टर पी. राजाबाबू, एलुरु कलेक्टर के. वेन्नेसल्वी, बापटला कलेक्टर डॉ. वी. विनोद कुमार, कृष्णा कलेक्टर डी.के. बालाजी ने हिस्सा लिया। उन्होंने राज्य सरकार की गाइडलाइन के अनुसार अमरावती रीजनल कॉन्फ्रेंस के लिए संबंधित जिलों द्वारा किए जा रहे इंतजामों के बारे में बताया। उन्होंने जिलों की खासियतों, खास रिसोर्स, मौकों के हिसाब से इन्वेस्टमेंट, इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट, डैड-पार्टिसिपेशन, लोकल इंडस्ट्रीज को बढ़ावा देने और एजुकेशन-इंडस्ट्री लिंकेज पर च



विश्व ब्राह्मणों के आर्थिक विकास के लिए खास काम

दिल्ली में 33 लाख के करीब मतदाताओं को नोटिस, कई टटप्प भी शामिल, जानिए टॉप-10 कारणों से दिल्ली: राजधानी दिल्ली में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (रैप) अभियान के तहत इन दिनों प्रशासनिक गलतियों से लेकर आम नागरिकों के बीच हड़कप मचा हुआ है। चुनाव आयोग की ओर से 31 अगस्त को जारी किए गए ड्राफ्ट वोटर लिस्ट के बाद, डेटा में पाई गई विसंगतियों और तकनीकी कमियों को दूर करने के लिए धड़ाधड़ नोटिस भेजे जा रहे हैं। अब तक लगभग 33 लाख (32,27,443) मतदाताओं को नोटिस जारी किए जा चुके हैं। जिसमें देश के कई दिग्गज राजनेता, पूर्व वीवीआईपी और शीर्ष अधिकारी भी शामिल हैं।

चुनाव आयोग के आंकड़ों और मैडेट एनालिटिक्स एंड कंसल्टिंग के विश्लेषण के अनुसार, अधिकांश मतदाताओं को केवल एक ही कारण से नोटिस मिला है, जबकि कुछ मामलों में दो या उससे अधिक विसंगतियाँ भी दर्ज की गई हैं। आइए जानते हैं वे टॉप-10 कारण जिनके आधार पर सबसे ज्यादा लोगों को नोटिस थमाए गए हैं।

अशोक कुमार, मुख्य निर्वाचन अधिकारी, दिल्ली (मूट टैलेंट) क्यों भेजे गए मतदाताओं को नोटिस, टॉप-10 कारण डेटा के अनुसार उन 10 प्रमुख वजहों की सूची नीचे दी गई है, जिनके कारण दिल्ली के मतदाताओं को सबसे अधिक नोटिस मिले हैं। पिछले एसआईआर से मैपिंग न होना:

यह सूची में सबसे बड़ा कारण है। कुल 13,40,213 यानी 41.51 फीसदी मामले इसी श्रेणी से जुड़े हैं। इसमें पूर्व उप-प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, केंद्रीय मंत्री एस जयशंकर, चुनाव आयुक्त एसएस संपू, पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और कई वरिष्ठ नीकरशाही के नाम शामिल हैं, जिनके मौजूदा रिकॉर्ड पिछले एसआईआर डेटा से नहीं जुड़ पाए। माता-पिता के नाम में अंतर:

दूसरे नंबर पर यह बड़ी वजह है, जिसके तहत 7,65,112 लगभग 23.71 फीसदी नोटिस भेजे गए हैं। इसमें फॉर्म में भरे गए माता-पिता के नाम और पुराने डेटाबेस के नाम में भिन्नता पाई गई है। रचय के नाम में अंतर: मतदाता के अपने नाम की स्पेलिंग या सरनेम में अंतर के चलते 5,44,504 (16.88 फीसदी) लोगों को नोटिस का सामना करना पड़ा है। संतान की आयु का 9 महीने से कम अंतर: तार्किक विसंगतियों के तहत 2,08,697 (6.47 फीसदी) मामलों में माता-पिता और बच्चों की उम्र के बीच का अंतर 9 महीने से कम दर्ज पाया गया है। माता-पिता की आयु का अंतर 15 वर्ष से कम: इस तकनीकी गड़बड़ी के कारण 1,60,795 (4.98 फीसदी) नोटिस जारी किए गए हैं। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को भी इस कारण ही आयोग ने नोटिस भेजा था,



6 या उससे अधिक संतानें: रिकॉर्ड के मुताबिक 1,37,492 (4.26 फीसदी) मामलों में बच्चों की संख्या 6 या उससे अधिक दर्ज होने पर स्पष्टीकरण मांगा गया है। माता-पिता की आयु का अंतर 50 वर्ष से अधिक: उम्र के इस असंतुलन के चलते 80,626 (2.50 फीसदी) मतदाताओं के फॉर्म होल्ड पर रखे गए हैं। दादा-दादीधाना-नानी की आयु का अंतर 40 वर्ष से कम: पीढ़ियों के अंतराल से जुड़े इस अंतर के कारण 72,581 (2.25 फीसदी) नोटिस गए हैं।

कारण दर्ज नहीं: कई ऐसे तकनीकी मामले भी सामने आए हैं जहां सिस्टम ने नोटिस तो भेज दिया लेकिन उसकी ठोस वजह रिकॉर्ड में दर्ज नहीं हो पाई। ऐसे मामलों की संख्या 58,163 (1.80 फीसदी) है। पिछले एसआईआर में माता-पिता का अयोग्य होना: यह सबसे कम यानी सिर्फ 178 (0.01 फीसदी) मामलों में देखने को मिला, जहां पिछली प्रक्रिया में माता-पिता को अयोग्य पाया गया था। घबराएं नहीं, नोटिस मिलने का मतलब नाम काटना नहीं। हालांकि इन नोटिस को लेकर मुख्य निर्वाचन अधिकारी अशोक कुमार ने कहा है कि इतने बड़े पैमाने पर नोटिस मिलने का यह कतई मतलब नहीं है कि संबंधित मतदाता का नाम सूची से काट दिया गया है। यह केवल डेटा सुधार और ईसिनेट (स्पष्टि) प्रणाली को दुरुस्त करने की एक प्रक्रिया है। अगर आपको या आपके परिवार को भी यह प्रक्रिया के तहत ऐसा कोई नोटिस मिला है, तो घबराने की जरूरत नहीं है। निर्धारित समय सीमा के भीतर अपने संबंधित विधानसभा क्षेत्र के वृथ लेवल ऑफिसर या निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (जेम्स) के पास जाकर आवश्यक दस्तावेज व साक्ष्य जमा करवाएं, ताकि आपकी प्रविष्टि को अंतिम सूची में वैध किया जा सके। नेशनल कपैन फॉर पीपल्स राइट्स इंफॉर्मेशन की सहसंयोजक अंजलि भारद्वाज ने कहा कि, इलेक्शन कमीशन ने 33 लाख लोगों को आर नोटिस जारी किए हैं कि आप अगर पूर्व नहीं कर पाते कि आप सिटीजन हैं, तो आपका

नाम भी डिलीट कर दिया जाएगा। मतलब 90 लाख से ज्यादा पोटेंशियल डिलीशंस हो सकती है, एसआईआर और प्री-एसआईआर फेस के अंदर 33 लाख लोगों को नोटिस

उन्होंने कहा, तो बड़ा सवाल तो यही उठता है कि 2025 में फरवरी में जो चुनाव हुए, उसमें जो नतीजे आए उसमें भारतीय जनता पार्टी जीती, रेखा गुप्ता चीफ मिनिस्टर बनीं, तो क्या उन चुनावों के नतीजों पर विश्वास किया जा सकता है, क्योंकि अगर वोटर लिस्ट इतनी खराब थी तो फिर किसने वोट किया, किसने चुना और उन

नतीजों को कैसे हम विश्वसनीय देखें। दूसरी बात यह है कि जब इलेक्शन कमीशन ने नोटिस जारी किए, कहा कि कुछ लॉजिकल डिस्क्रिपेंसीज हैं, कुछ अनमैप्ड लोग हैं जिन्हें कि अब अपने दस्तावेज दिखाने होंगे, अब लोगों को नोटिस दिए जा रहे हैं, ऐसे लोग जो कि वोटर लिस्ट में पहले फेज के बाद आ गए थे, करीब 1 करोड़ लोगों में से 33 लाख लोगों को नोटिस भेजे गए। पारदर्शिता के बिना काम नहीं होना उन्होंने आगे कहा, इलेक्शन कमीशन ने न लिस्ट मुहैया कराई और न ही कारण बताया कि नोटिस क्यों भेजे जा रहे हैं। दिल्ली की जनता को यह मालूम ही नहीं पड़ रहा कि अगर उनका नाम फर्स्ट लिस्ट में आ गया तो वोटर लिस्ट में तो क्या वह निश्चित होकर बैठ जाए कि उन्हें नोटिस आ सकता है, एक याचिका हम लोग ने दायर की सुप्रीम कोर्ट में, जिसमें यह कहा गया कि पारदर्शिता के बिना यह काम नहीं होना चाहिए, वोटर लिस्ट को पब्लिक डोमेन में डाला जाना चाहिए, साथ ही लॉजिकल डिस्क्रिपेंसी किसे कहा जा रहा है, वह क्राइटेरिया भी बताने की जरूरत है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को भी भेजा गया नोटिस मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को भी भेजा गया नोटिस (मूट टैलेंट) सीएम पी घरे में कोर्ट ने कहा कि यह जरूरी मुद्दे हैं, इन्हें प्रेरीडेंस दिया जाएगा और मंगलवार को सुनवाई के लिए रखा। कोर्ट में केस के बाद इलेक्शन कमीशन ने लिस्ट मुहैया कराई और जब लिस्ट सामने आई तो चौंकाने वाली जानकारी मिली, यह पता चला कि दिल्ली की मुख्यमंत्री खुद इस लॉजिकल डिस्क्रिपेंसी और अनमैपिंग के घेरे में हैं और उन्हें नोटिस थमा दिया गया है, वहीं पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल को भी नोटिस भेजा गया है, इतना ही नहीं, सुप्रीम कोर्ट के कई जज रह चुके लोगों को भी नोटिस दिया गया है। मतलब इलेक्शन कमीशन यह कह रहा है कि इन सभी लोगों को अप्रुव करना होगा कि वह वास्तव में इंडियन सिटीजन हैं, एसआईआर का बनाया जा रहा मजाक!

भारी बारिश को लेकर कलेक्ट्रेट में कमांड कंट्रोल सेंटर

9154970454 नंबर शुरू किया गया
लोग अलर्ट रहें
फील्ड लेवल पर अधिकारी मौजूद रहें
जिला कलेक्टर डॉ. जी. लक्ष्मी



प्रेस रिलीज विजयवाड़ा, 22 सितंबर, 2026

बंगाल की खाड़ी में साइक्लोनिक सर्कुलेशन के कारण जिले के अलग-अलग हिस्सों में भारी बारिश की संभावना है, जिला कलेक्टर डॉ. जी. लक्ष्मी ने आदेश दिया है कि लोग अलर्ट रहें और अधिकारी भी फील्ड लेवल पर मौजूद रहें।

कलेक्टर ने मंगलवार को एक बयान में यह बात कही। उन्होंने अधिकारियों को समय-समय पर मौसम की स्थिति पर नजर रखने और जरूरी सावधानी बरतने के निर्देश दिए। लोगों को निचले इलाकों, तालाबों, नदियों और नहरों के आस-पास अलर्ट रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि संबंधित विभागों के अधिकारी तालमेल से काम करें ताकि इमरजेंसी में लोगों को तुरंत मदद मिल सके। उन्होंने कहा कि डिस्ट्रिक्ट लेवल पर एक कंट्रोल रूम बनाने और उसे 24 घंटे काम करने लायक बनाने के लिए कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि इस सेंटर में रेवेन्यू, एग्रीकल्चर, बिजली, मेडिकल हेल्थ, सिविल सप्लाय और दूसरे डिपार्टमेंट के स्टाफ मौजूद रहेंगे। उन्होंने कहा कि लोग बारिश, बाढ़, पानी भरने या दूसरी इमरजेंसी सिचुएशन के बारे में कंट्रोल रूम को 91549 70454 पर बता सकते हैं। उन्हें मदद के लिए कॉन्टैक्ट करना चाहिए। उन्होंने गांव, मंडल, डिपिजन और डिस्ट्रिक्ट लेवल पर रेवेन्यू पंचायत राज, म्युनिसिपल, बिजली, ए-ट और दूसरे डिपार्टमेंट के अधिकारियों को मिलकर काम करने का निर्देश दिया।

शाहजहांपुर में सपा प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल ने कहा—



शाहजहांपुर: यूपी के शाहजहांपुर में समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने पीडीए सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर जमकर निशाना साधा। शाहजहांपुर की पुवाया विधानसभा में पीडीए सम्मेलन था, जिसमें बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल दोपहर तीन बजे पहुंचे। यहां सपा कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार स्वागत किया। 2027 में 2012 का इतिहास दोहराने का दावा: उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि पुवाया विधानसभा के लोग 2027 में 2012 का इतिहास दोहराना चाहते हैं। सपा प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन का हिस्सा है, वे पिछले चुनावी नतीजा को और बेहतर बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि उनका मुख्य लक्ष्य यहां से सपा प्रत्याशी को भारी मतों से जिताना है। शाहजहांपुर के पुवाया में सपा प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल, (टपकमव बामकपज: मूट टैलेंट) एसआईआर के बहाने वोटर लिस्ट में गड़बड़ी का आरोप: पाल ने कहा कि एसआईआर का मतलब है कि बीजेपी के लोग वोटर लिस्ट से पीडीए के मतदाताओं के नाम हटाना चाहते हैं। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने एसआईआर का काम बहुत सावधानी से किया है, जिन लोगों के नाम वोटर लिस्ट में एक से ज्यादा जगह थे, उन्हें हटाकर एक जगह किया गया है, पुवाया पहुंचे प्रदेश अध्यक्ष ने बीजेपी पर सीधा सियासी हमला बोला। संविधान की रक्षा और गठबंधन की मजबूती पर जोर: उन्होंने बीजेपी पर बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के बनाए संविधान को कमजोर करने का आरोप लगाया। इसके साथ ही कांग्रेस के साथ गठबंधन की मजबूती को दोहराते हुए उन्होंने चुनाव आयोग के स्पेशल एरिया रिवीजन पर सवाल खड़े किए। उन्होंने इस बीजेपी की ओर से फर्जी वोटर बढ़ाने की साजिश बताया। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष केंद्र और राज्य सरकार पर बरसे।

फर्जी मतदाताओं के खिलाफ मैदान में उतरेगी सपा: उन्होंने साफ कहा कि बीजेपी देश के संविधान को खत्म करना चाहती है, जिसे समाजवादी पार्टी कभी बर्दाश्त नहीं करेगी। कांग्रेस के साथ गठबंधन पर उठ रहे सवालों को खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि दोनों दलों का साथ मजबूती से जारी रहेगा। सपा प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि स्पेशल एरिया रिवीजन से फर्जी वोटों के नाम जोड़कर फायदा उठाने की कोशिश है। उन्होंने चेतावनी दी कि सपा इसके खिलाफ पूरी ताकत से मैदान में उतरेगी।

AIDS के बारे में सभी को पूरी जानकारी होनी चाहिए।

अगर शुरुआती स्टेज में सही सावधानी बरती जाए, तो कोई भी बीमारी हम तक नहीं पहुँच सकती।

इंचार्ज डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर डॉ. एम. जे. अभिषेक गौड़ा ने 14 से बचाव के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 53 रेंड रन को हरी झंडी दिखाई और रैली में हिस्सा लिया

एलुरु, 18 सितंबर: इंचार्ज डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर डॉ. एम. जे. अभिषेक गौड़ा ने शुक्रवार को लोकल सर. सी. आर. रेड्डी विमेंस कॉलेज में 14 से बचाव के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 53 रेंड रन को हरी झंडी दिखाई और रैली में हिस्सा लिया। यह रैली, 53 रेंड रन, वटलूर के सर. सी. आर. रेड्डी विमेंस कॉलेज से शुरू हुई और गवर्नमेंट पब्लिसिटी पैट्रोल बैंक और न्यू बस स्टैंड होते हुए इंदिरा स्टेडियम पहुँची।

इस मौके पर इंचार्ज डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर डॉ. एम. जे. अभिषेक गौड़ा ने कहा कि 14 से बचाव के बारे में सभी को पूरी जानकारी होनी चाहिए और अगर शुरुआती स्टेज में सही सावधानी बरती जाए, तो कोई भी बीमारी हम तक नहीं पहुँच सकती। समाज में बड़े पैमाने पर जागरूकता की जरूरत है और युवाओं, वॉलंटरी ऑर्गनाइजेशन और छद्म के रिप्रेजेंटेटिव द्वारा ऐसे जागरूकता सेमिनार, रैलियों पर खास ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि युवाओं को 14 से फैलने और बचाव के तरीकों के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए, और स्टूडेंट्स को कॉलेज लेवल से ही ऐसे जागरूकता प्रोग्राम में



एक्टिवली हिस्सा लेना चाहिए। उन्होंने साफ किया कि यह हम सबकी जिम्मेदारी है कि हम समाज में दूसरों को जागरूक करें और 14 से पीड़ितों के साथ बिना किसी भेदभाव के उन्हें सपोर्ट दें। उन्होंने कहा कि 14 से को कंट्रोल करने के लिए पब्लिक पार्टिसिपेशन बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रोग्राम भूट को फैलने से रोकने के लिए बरती जाने वाली सावधानियों, सेफ लाइफस्टाइल और भूट टेस्ट के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करने में मदद करेंगे। इंचार्ज डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर ने स्टूडेंट्स और युवाओं से अपील की कि वे अपनी मर्जी से जागरूकता प्रोग्राम में हिस्सा लें और समाज में 14 के बारे में गलतफहमियों को दूर

करने के लिए पूरी मेहनत करें। कार्यक्रम में जिला चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. यू. शोभा, जिला कुष्ठ, एड्स और टीबी अधिकारी डॉ. एन. लक्ष्मीनारायण, इंटरमीडिएट शिक्षा बोर्ड के क्षेत्रीय निगरानी अधिकारी (आरआईओ) कुरापति योहन, क्लस्टर कार्यक्रम प्रबंधक डॉ. जे. सैमसन, जिला खेल विकास अधिकारी सैयद अब्दुल अजीज, सीएसओ ए. हरिनाथ कुमार, जिला चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी, सरकारी जिम्मेदारियम कॉलेज के छात्र, अन्य कॉलेज, गैर सरकारी संगठन, विभिन्न स्वैच्छिक संगठनों के प्रतिनिधि, स्थानीय लोग आदि उपस्थित थे।

गोशामहल है, गोशामहल डिवीजन, गोलकोंडा जोन में हत्या की कोशिश, महिला की गरिमा को ठेस पहुँचाना, मामूली चोट, बिना इजाजत घुसना, नुकसान पहुँचाना और आपराधिक धमकी देने का मामला।

अमीर हुसैन, क्राइम ब्यूरो चीफ

11) उमेश कुमार तोशनीवाल 12) एकता तोशनीवाल 13) उमा तोशनीवाल 14) कविता तोशनीवाल हैदराबाद पुलिस के गोशामहल है ने अपराध संख्या 345/2026 (उछे की धारा 109(1), 115(2), 324(2), 351(2), 329(3), 74, 292, 352, एड 3(5) के तहत) में 04 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। ये आरोपी हत्या की कोशिश, महिला की गरिमा को ठेस पहुँचाने, मामूली चोट पहुँचाने, बिना इजाजत घुसने, नुकसान पहुँचाने और आपराधिक धमकी देने के मामलों में शामिल हैं। आरोपियों का विवरण:

11) उमेश कुमार तोशनीवाल, पिता: स्वर्गीय वृज गोपाल तोशनीवाल, निवासी: सीतारामपेट, मंगलहाट, हैदराबाद।

12) एकता तोशनीवाल, पिता: उमेश कुमार तोशनीवाल, निवासी: सीतारामपेट, मंगलहाट, हैदराबाद।

13) उमा तोशनीवाल, पति: उमेश कुमार तोशनीवाल, निवासी: सीतारामपेट, मंगलहाट, हैदराबाद।

14) कविता तोशनीवाल, पति: उमेश कुमार तोशनीवाल, निवासी: सीतारामपेट, मंगलहाट, हैदराबाद। 11 से 14 को 17.09.2026 को दोपहर 1:30 बजे गिरफ्तार किया गया और माननीय अदालत के सामने पेश किया जा रहा।

15) राजेश (फरार)

16) प्रतीक (फरार)

17) हरीश और अन्य (फरार)

संक्षिप्त तथ्य: -

16-09-2026 को दोपहर लगभग 12:00 बजे, शिकायतकर्ता स्वप्ना बेगम बाजार छतरी स्थित अपनी दुकान पर मौजूद थीं, तभी मिट्टी की बोरियाँ हटाने को लेकर उमेश तोशनीवाल और अन्य लोगों ने कथित तौर पर उनके साथ मारपीट की और उन्हें धमकाया। जब शिकायतकर्ता गोशामहल पुलिस स्टेशन में थीं, तब उमेश की पत्नियाँ उमा और कविता, बेटी एकता और अन्य लोगों ने कथित तौर पर दुकान में घुसकर तोड़-फोड़ की, लगभग 70,000/- का सामान चुराया और शिकायतकर्ता की माँ सत्यवती (65), कर्मचारी शशिकला (50) और एक अन्य कर्मचारी नंदू के साथ मारपीट की। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि उनकी माँ की दाहिनी कलाई की हड्डी टूट गई और आरोपियों ने नुक. 1ली लकड़ी की छड़ी से उन पर हमला करने की कोशिश की और उन्हें तथा उनके परिवार को धमकाया। उन्होंने आरोपियों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने और आवश्यक



कानूनी कार्रवाई करने का अनुरोध किया। गोशामहल पुलिस ने उछे की धारा 109(1), 115(2), 324(2), 351(2), 329(3), 74, 292, 352, और 3(5) के तहत अपराध संख्या 345/2026 दर्ज किया। जांच के दौरान विश्वसनीय जानकारी मिली कि उक्त मामले में शामिल आरोपी 1-1 से 1-4 अपनी दुकान पर मौजूद थे। इस पर गोशा. महल पुलिस तुरंत मौके पर पहुँची और उन्हें पकड़ लिया। पूछताछ करने पर उन्होंने स्वेच्छा से उक्त अपराध करने की बात स्वीकार की। चूंकि 11 और 12 पहले भी आपराधिक मामलों में शामिल रहे हैं, इसलिए आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार कर रिमांड पर लिया गया। आगे यह भी बताया गया है कि आरोपियों को पहले भी पाबंद (इवनटक वअमता) रिकॉर्ड से इस आपराधिक मामले में शामिल हो गए हैं। इसलिए, ऐसे अपराधों को दोबारावस्था बनाए रखने के लिए, कानून के अनुसार आरोपियों को फिर से पाबंद करने की जरूरी कार्रवाई शुरू की जा रही। गोशामहल पुलिस की त्वरित कार्रवाई कानून-व्यवस्था बनाए रखने और सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रति हैदराबाद शहर

की पुलिस की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। ऐसी गैर-कानूनी और उपद्रवी गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जांच चल रही है और कानून के अनुसार आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जनता से अपील गोशामहल पुलिस आम जनता से अपील करती है कि वे शांत रहें और अनावश्यक विवादों, बहस या शारीरिक टकराव से बचें। दुकानों, संपत्ति, व्यापार या अन्य व्यक्तिगत मामलों से संबंधित किसी भी असहमति को कानूनी तरीकों से शांतिपूर्वक सुलझाया जाना चाहिए। जनता से अनुरोध है कि वे कानून को अपने हाथ में न लें, दूसरों को धमकाएँ या उन पर हमला न करें, संपत्ति को नुकसान न पहुँचाएँ, या कानूनी अधिकार के बिना किसी परिसर में प्रवेश न करें। ऐसी गतिविधियों के परिणामस्वरूप आपराधिक और कानूनी कार्रवाई हो सकती है। हस्ताक्षर— (बी. श्रवण कुमार), पुलिस इस्पेक्टर, गोशामहल पुलिस स्टेशन, हैदराबाद।

त्योहारों पर घर पहुँचना बना परीक्षा: पब्लिक सर्वर पर ओवरलोड से मिनटों में ट्रेनें फुल, यात्रियों की उम्मीदें स्पेशल ट्रेनों पर टिकीं



नई दिल्ली: दीपावली व छठ महोत्सव पर घर जाने की तैयारी कर रहे लाखों यात्रियों के लिए कन्फर्म रेल टिकट हासिल करना किसी बड़ी चुनौती से कम साबित नहीं हो रहा है। त्योहारी सीजन से ठीक पहले भारतीय रेलवे की ऑनलाइन टिकट बुकिंग वेबसाइट पब्लिक का सिस्टम एक बार फिर चरमरा गया है, 16 सितंबर को जैसे ही 14 नवंबर, 2026 (छठ पर्व के करीब) की टिकट बुकिंग शुरू हुई, देखते ही देखते मात्र कुछ ही मिनटों में सभी प्रमुख ट्रेनों की सीटें फुल हो गईं और लंबी वेटिंग लिस्ट दर्ज होने लगी। अत्यधिक ट्रैफिक से सर्वर ओवरलोड के कारण लाखों यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

पब्लिक सर्वर की सुस्त चाल ने बड़ाई यात्रियों की आफत: त्योहारों के मौके पर देश भर के कोने-कोने से, विशेष रूप से दिल्ली-एनसीआर से पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल जाने वाले यात्रियों की संख्या में अप्रत्याशित उछाल आता है। मंगलवार सुबह जैसे ही एडवांस रिजर्वेशन विंडो खुली, पब्लिक की वेबसाइट व मोबाइल ऐप पर अचानक यूजर ट्रैफिक कई गुना बढ़ गया। लोगों ने बताया अपनी समस्या (म्यूट टीआरज) बुकिंग सिस्टम बेहद धीमा: अधिक संख्या में एक साथ लॉगिन व पेमेंट करने की कोशिश के कारण ऑनलाइन बुकिंग सिस्टम बेहद धीमा हो गया। यात्रियों का कहना है कि वेबसाइट पर लॉगिन करने, ट्रेन सर्व करने व पेमेंट गेटवे तक पहुँचने के दौरान बार-बार एरर मैसेज आ रहे हैं। इससे पहले सितंबर की शुरुआत में भी जब दिवाली की बुकिंग शुरू हुई थी, तब भी यह पुरानी तकनीकी समस्या खुलकर सामने आई थी। रेलवे की ओर से शुरू किया गया बीटा वर्जन भी इस भारी ट्रैफिक के आगे टिक नहीं सका, लोगों का कहना है कि यह समस्या केवल एक-दो दिन की नहीं है, बल्कि पब्लिक की मौजूदा तकनीकी क्षमता व बढ़ते यूजर लोड के बीच भारी असंतुलन का नतीजा है, जिसे जल्द से जल्द अपग्रेड करने की सख्त जरूरत है। कन्फर्म तो दूर, वेटिंग टिकट कन्फर्म होना मुश्किल: वेबसाइट की धीमी गति व मिनटों में टिकट खत्म होने से त्योहार पर घर जाने का सपना देख रहे आम लोग खासे परेशान हैं। ईटीबी मारुत से बातचीत में यात्रियों ने अपना दर्द साझा किया। वेटिंग टिकट तक मिलना बंद: शालिनी ने बताया कि उन्होंने दुर्गा पूजा व दीपावली पर बिहार अपने घर जाने के लिए लगातार प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली, आलम ये रहा कि कई ट्रेनों में नो रूम (लमहातमज) हो गया यानी वेटिंग टिकट तक मिलना बंद हो गया। काफी नश्वरता के बाद उन्होंने छठ के लिए एक ट्रेन में टिकट तो लिया है, लेकिन वेटिंग इतनी लंबी है कि कन्फर्म होने की उम्मीद न के बराबर है। अगर टिकट कन्फर्म नहीं हुआ तो उन्हें मजबूरी में दिल्ली में ही छठ मनाना पड़ेगा। कन्फर्म टिकट पाने के लिए टिकट काउंटर पहुंच रहे

दिल्ली-छब में आज भी बारिश को लेकर अलर्ट जारी, जाने कैसा रहेगा मौसम का हाल



नई दिल्ली: देश की राजधानी दिल्ली और एनसीआर के इलाकों में मौसम का मिजाज बदलता हुआ है। हालांकि बीते दिन दिल्ली में बारिश का अनुमान लगाया गया था लेकिन बारिश नहीं हुई। दिल्ली एनसीआर के नोएडा और गाजियाबाद में जरूर हल्की बारिश देखने को मिली। मौसम विभाग ने दिल्ली में आज भी बारिश होने का अंदेश जताया है। इस दौरान सुबह से आसमान में बादल छाए रहेंगे। पड़व के अनुसार कल आंशिक रूप से बादलों की आवाजाही और तेज धूप के बीच सोमवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान सामान्य से 1.8 डिग्री अधिक 35.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। वहीं न्यूनतम तापमान सामान्य से 1.9 डिग्री अधिक 27.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा में नमी का स्तर 87 से 62 रहा। आज के मौसम का हालदेश की राजधानी दिल्ली और आसपास के इलाकों में आज मंगलवार को हल्की बारिश के आसार हैं। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में आसमान बादलों से घिरा रहेगा और हल्की बारिश देखने को मिल सकती है। हालांकि इस दौरान अधिकतम तापमान 32 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। इसके बाद अगले दिन बुधवार को भी का में नमी का स्तर 87 से 62 रहा। आज के मौसम का हालदेश की राजधानी दिल्ली और आसपास के इलाकों में आज मंगलवार को हल्की बारिश के आसार हैं। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में आसमान बादलों से घिरा रहेगा और हल्की बारिश देखने को मिल सकती है, हालांकि इस दौरान अधिकतम तापमान 32 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस इन्हीं प्रकार का मौसम रहने का पूर्वानुमान जारी किया है। केंद्रीय प्रदूषण एवं नियंत्रण बोर्ड (बिबो) के अनुसार राजधानी दिल्ली में शुक्रवार सुबह 7 बजे तक औसतन वायु गुणवत्ता सूचकांक 93 अंक पर बना हुआ है, जबकि दिल्ली एनसीआर के शहर फरीदाबाद में 88, गुरुग्राम में 93, गाजियाबाद में 85, ग्रेटर नोएडा में 92 और नोएडा में 98 अंक पर बना हुआ है। राजधानी दिल्ली के अधिकांश इलाकों में 140 सेल्सियस 100 से नीचे बना हुआ है, जे इलाकों में 140 सेल्सियस 100 से ऊपर और 200 के बीच में बना हुआ है।

पांच दिन अवैध हिरासत में रखने पर हाईकोर्ट ने पुलिस को लगाई फटकार, 50 हजार मुआवजे का आदेश

पांच दिन अवैध हिरासत में रखने पर हाईकोर्ट ने पुलिस को लगाई फटकार, 50 हजार मुआवजे का आदेशकोर्ट ने इसे घटनाओं की एक दुर्भाग्यपूर्ण कड़ी बताते हुए पुलिस को भविष्य में ऐसी घटनाएं रोकने के लिए सुधारात्मक कदम उठाने की सलाह दी। 3 डपद लंकवैवदेम म्मट टीतंजप्रयामराज : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक व्यक्ति को पांच दिन तक अवैध पुलिस हिरासत में रखने के मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए उसे तत्काल रिहा करने का आदेश दिया है। कोर्ट ने राज्य सरकार को अवैध हिरासत के लिए पीड़ित को 50 हजार रुपये मुआवजा देने का निर्देश दिया है। यह रकम जिम्मेदार लोगों से विभागीय जांच के बाद वसूल की जाएगी। कोर्ट ने कहा कि किसी व्यक्ति को कानून में निर्धारित प्रक्रिया का पालन किए बिना हिरासत में रखना उसके संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन है। यह आदेश न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति अचल सचदेव की खंडपीठ ने कमलेश कुमार की ओर से दाखिल बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर 18 सितंबर 2026 को दिया। याचिका में आरोप लगाया गया था कि कमलेश कुमार को 15 अगस्त को उसकी दुकान से दो हथियारबंद पुलिसकर्मी उठा ले गए थे। पुलिस की जांच रिपोर्ट और शपथपत्रों के आधार पर कोर्ट ने पाया कि कमलेश कुमार को 15 अगस्त को प्रयागराज के मेजा थाना क्षेत्र स्थित उसकी दुकान से पुलिस अपने साथ ले गई थी और 19 अगस्त को जेल भेजा गया। पुलिस ने गिरफ्तारी 19 अगस्त को दिखाई थी। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि वह 15 अगस्त से ही पुलिस की हिरासत में था। मामले में पुलिस की ओर से बताया गया कि कमलेश कुमार का एक पड़ोसी से संपर्क को लेकर विवाद था। पड़ोसी ने उस पर बांग्लादेश का नागरिक होने का आरोप लगाते हुए शिकायत की थी। जांच के बाद उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और

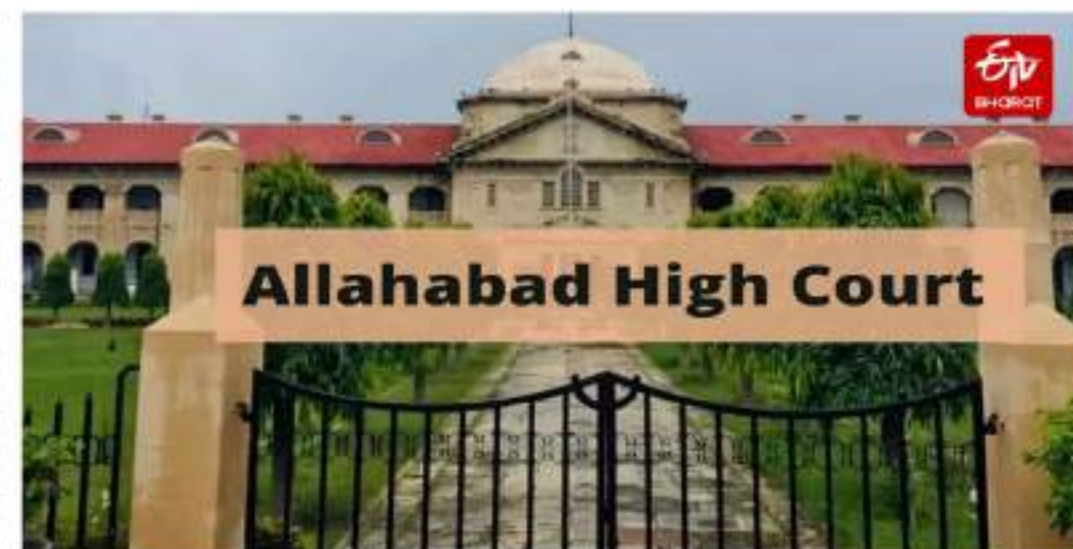


आव्रजन व विदेशी अधिनियम सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। हालांकि हाईकोर्ट ने इस मामले के गुण-दोष पर कोई टिप्पणी नहीं की और केवल अवैध हिरासत के सवाल पर सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि पुलिस के अपने ही शपथपत्र से 24 घंटे से अधिक समय तक अवैध हिरासत में रखने की बात स्पष्ट होती है। कमलेश को 19 अगस्त को ही मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया और न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया। कोर्ट ने इसे 15 से 19 अगस्त तक की अवैध हिरासत माना। कोर्ट ने तत्काल रिहाई का आदेश देते हुए स्पष्ट किया कि यदि किसी अन्य मामले में उसकी आवश्यकता नहीं है तो उसे हिरासत से मुक्त किया जाए। साथ ही कहा कि यदि कानून के अनुसार उसकी गिरफ्तारी जरूरी हो तो पुलिस निर्धारित प्रक्रिया का पालन कर सकती है। लंबित अपराधिक मामले की जांच में पुलिस द्वारा नोटिस

दिए जाने पर उसे सहयोग करना होगा। मामले की जांच में पुलिस उपायुक्त ने पाया कि मेजा थाने के तत्कालीन एसएचओ नितेंद्र शुक्ला और विवेकचंद्रावर निरीक्षक कमलेश यादव ने अपने कर्तव्यों में गंभीर लापरवाही की। दोनों को 17 सितंबर को निर्लंबित कर दिया गया। कोर्ट ने पुलिस उपायुक्त विवेक चंद्र यादव की इस बात के लिए सराहना की कि उन्होंने अपने शपथपत्र में पुलिस की गलती को स्पष्ट रूप से स्वीकार किया। कोर्ट ने एसएचओ द्वारा भी गलती स्वीकार किए जाने की सराहना की। हालांकि कोर्ट ने कहा कि सतर्कता की कमी के कारण एक व्यक्ति को पांच दिन तक कानून में निर्धारित सुरक्षा के बिना हिरासत में रहना पड़ा। कोर्ट ने इसे घटनाओं की एक दुर्भाग्यपूर्ण कड़ी बताते हुए पुलिस को भविष्य में ऐसी घटिए सुधारात्मक कदम उठाने की सलाह दी।

औरैया में तीन बच्चों की हत्या का मामला: हाईकोर्ट ने मौत की सजा रद्द कर दोनों आरोपियों को किया बरी

प्रयागराज: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने औरैया में तीन बच्चों की हत्या के मामले में फैसला सुनाया है। कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट से मौत की सजा पाने वाली प्रियंका और उसके सह-आरोपी आशीष उर्फ डैनी को बरी कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि अभियोजन पक्ष 8 साल के बाल गवाह की अकेली गवाही के आधार पर आरोप साबित करने में नाकाम रहा। बाल गवाह की गवाही में ऐसे विरोधाभास मिले जिनसे उसे सिखा-पढ़ाकर गवाही दिलाए जाने की आशंका पैदा होती है। बाल गवाह के बयान पर कोर्ट ने जताई गंभीर आशंका: न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा और न्यायमूर्ति जय कृष्ण उपाध्याय की पीठ ने फांसी की सजा को रद्द कर दिया। कोर्ट ने प्रियंका की अपराधिक अपील और आशीष की जेल अपील को मंजूर करते हुए दोनों को तुरंत रिहा करने का आदेश दिया। यह मामला 27 जून 2024 का है, जब औरैया के ताला। पूर गांव के पास सेंगर नदी से तीन बच्चों को शव मिले थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में तीनों बच्चों की मौत डूबने से होने की पुष्टि हुई थी। 8 साल के बच्चे के बयान में मिले कई विरोधाभास: मृत बच्चों के चाचा की शिकायत पर दर्ज ध्द में आरोप था कि प्रियंका ने आशीष के साथ मिलकर बच्चों को नदी में डुबोया। मामले में 8 साल के बच्चे सोनू के बच जाने की बात कही गई थी और पूरा कंस उसी की गवाही पर टिका था। हाईकोर्ट ने कहा कि बच्चे की गवाही की सत्यता को बहुत सावधानी से जांचना जरूरी है क्योंकि बच्चों को आसानी से प्रभावित किया जा सकता है। कोर्ट ने



पाया कि घटना 27 जून की थी, लेकिन सोनू का बयान 5 जुलाई 2024 को दर्ज किया गया था। पुलिस की तफ्तीश में मिली कई बड़ी खामियां: अदालत ने कहा कि इतने दिनों बाद बयान दर्ज होना घटना के समय बच्चे की मौजूदगी पर गंभीर सवाल खड़े करता है। साथ ही रिश्तेदारों के प्रभाव में बयान तैयार कराने के संकेत मिलते हैं। कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर मां ने तीन बच्चों को मार दिया तो प्रत्यक्षदर्शी 8 साल के बेटे को जिंदा क्यों छोड़ दिया। इसके अलावा शिकायतकर्ता चाचा के बयानों में भी कई विरोधाभास पाए गए।

अहम गवाह को पेश न करने पर कोर्ट ने जताई नाराजगी: मामले के सबसे अहम गवाह ग्राम प्रधान जितेंद्र भूषण को अदालत में पेश न करने पर भी कोर्ट ने सवाल उठाए। पुलिस ने प्रधान की सूचना पर कार्रवाई शुरू की थी, लेकिन उसे गवाही के लिए नहीं बुलाया गया। हाईकोर्ट ने विवेचना में देश और नक्शा बनाने में विरोधाभास जैसी गंभीर खामियों को रेखांकित किया। कोर्ट ने निष्कर्ष दिया कि अभियोजन पक्ष आरोपियों के खिलाफ आरोप साबित करने में विफल रहा, इसलिए संदेह का लाभ देते हुए दोनों को बरी किया जाता है।

प्रयागराज में नशे के बड़े सिंडिकेट का भंडाफोड़: 11 हजार कोडीन सीरप और 1 लाख से अधिक नशीली टैबलेट बरामद

प्रयागराज : कमिश्नर पुलिस और औषधि प्रशासन विभाग की संयुक्त टीम ने अंतरसुइया क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित एक गोदाम पर छापा मारकर नशीली व प्रतिबंधित दवाओं का विशाल जखीरा बरामद किया है। कल्याणी देवी चौकी क्षेत्र में नाले के पास एक बंद गोदाम से 11,037 शीशी कोडीनयुक्त कफ सीरप, 11,825 नशीले इंजेक्शन, 35,520 कैप्सूल और 1,61,400 टैबलेट समेत भारी मात्रा में सामग्री जब्त की गई है। पुलिस ने मुख्य आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसकी तलाश तेज कर दी है। डीसीपी सिटी सागर जैन ने बताया, सोमवार रात करीब 2 बजे गश्त के दौरान अंतरसुइया पुलिस को कल्याणी देवी क्षेत्र स्थित एक मकान के पीछे बने गोदाम में अवैध दवाओं के भंडारण की सटीक सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही एसीपी अंतरसुइया, थाना पुलिस और प्रयागराज के ड्रग इंस्पेक्टर की संयुक्त टीम ने गोदाम पर छापा मारा। निरीक्षण के दौरान गोदाम का कोई वैध लाइसेंस या आधिकारिक दस्तावेज नहीं मिला। प्रतिबंधित इंजेक्शन और साइकोट्रोपिक दवाएं शामिल : कार्रवाई के दौरान विभिन्न कंपनियों के कोडीनयुक्त कफ सीरप के अलावा एनडीपीएस एक्ट के तहत आने वाले साइकोट्रोपिक साल्ट्स जैसे अल्प्रजोलम,



ट्रामाडोल की टैबलेट्स, ब्यूप्रेनॉर्फिन और पेंटाजोसिन लैक्टेट के भारी संख्या में इंजेक्शन बरामद किए गए। ड्रग इंस्पेक्टर की रिपोर्ट के आधार पर बरामद माल की कीमत लगभग 1 करोड़ है। किराए पर गोदाम लेकर पति-पत्नी चला रहे थे नेटवर्क : जांच में सामने आया है कि पास के

गुजराती मोहल्ला निवासी अरुणी सहगल ने बुजुर्ग महिला (बेबी टंडन) से यह गोदाम पछले 10-11 महीनों से किराए पर ले रखा था। आरोपी अपनी पत्नी के साथ मिलकर इस अवैध भंडारण और आपूर्ति के नेटवर्क को संचालित कर रहा था। आरोपी का पुराना आपराधिक इतिहास भी एनडीपीएस एक्ट से जुड़ा रहा है। सल्लाई चैन और लीकेंज की जांच जारी : अंतरसुइया थाने में सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। पुलिस और औषधि विभाग अब जब्त दवाओं के बैच नंबरों के आधार पर संबंधित फार्मा कंपनियों से पत्राचार कर रहे हैं, यह पता लगाया जा सके कि दवाएं किस स्तर से लीक होकर अवैध बाजार में खपाई जा रही थीं।

पर्यटन दिवस समारोह भव्य रूप से आयोजित करें



मुलुगु, 22 सितंबर (

जिला कलेक्टर बोरखडे हेमंत सहदेवराव ने अधिकारियों को जिले में विश्व पर्यटन दिवस समारोह भव्य रूप से आयोजित करने के निर्देश दिए। मंगलवार को कलेक्टर वॉवर में आयोजित समन्वय बैठक में उन्होंने अधिकारियों से तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने ऐतिहासिक मंदिरों के आसपास स्वच्छता और मूलभूत सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने को कहा। कलेक्टर ने बताया कि 25 सितंबर को पालमपेट स्थित गोलाता गुड़ी में हेरिटेज वॉक तथा रामप्पा मंदिर परिसर में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वहीं 26 सितंबर को तेलंगाना दर्शनी कार्यक्रम के तहत युवा पर्यटन क्लब के विद्यार्थियों के लिए जिले के ऐतिहासिक स्थलों के भ्रमण की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए।

सब्जी की खेती से नियमित आय



राजन्ना सिरसिल्ला, 22 सितंबर जिला कलेक्टर गरिमा अग्रवाल ने कहा कि किसान बाजार की मांग के अनुसार फसलों की खेती करें तो अच्छी आय प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने पेड्डा बोनाला में धान की खेती छोड़कर चार एकड़ में बैंगन, मिर्च और करेला की खेती कर रहे किसान काशेटी मल्लैया के खेत का निरीक्षण किया और किसान की सराहना की। कलेक्टर ने कहा कि सब्जी की खेती से किसानों को हर सप्ताह आय मिलती है। उन्होंने किसानों से सरकारी सब्सिडी का लाभ उठाते हुए बाग, पानी फसलों पर ध्यान देने की सलाह दी।

विकास कार्यों में तेजी लाएं: कलेक्टर



मंथेरियल, 22 सितंबर (

सरकारी स्कूलों में चल रहे विकास कार्यों को शीघ्र पूरा करने के लिए जिला कलेक्टर कुमार दीपक ने अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने तालूर केजीबीपी में अतिरिक्त कमरा और भोजनशाला निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर आवश्यक सुझाव दिए। द्वारकापुर में भूमि री-सर्वे को पारदर्शी ढंग से पूरा करने और भविष्य में भूमि विवादों की गुंजाइश न रहे, इसके लिए रिकॉर्ड की गहन जांच करने को कहा। उन्होंने पीएचसी और तहसीलदार कार्यालय का भी दौरा कर चिकित्सा सेवाओं तथा मतदाता सूची संशोधन कार्यों की समीक्षा की। बाद में बेल्लमपल्ली में गोशाला निर्माण के लिए भूमिपूजन किया और मंथेरियल में विनायक मंडप का दर्शन किया।

जगतियाल जिले को टीबी मुक्त जिला बनाने के लिए सभी विभागों को समन्वय के साथ काम करना चाहिए, जिला कलेक्टर बी. सत्यप्रसाद ने कहा।



जगतियाल, 22 सितंबर

टीबी मुक्त भारत कार्यक्रम के तहत आयोजित जिला स्तरीय समिति बैठक में कलेक्टर ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि टीबी के लक्षण वाले लोगों की पहचान कर उनकी जांच कराई जाए। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि टीबी मरीजों को समय पर मुफ्त इलाज और पोषण सहायता उपलब्ध कराई जाए। मरीज इलाज बीच में न छोड़ें, इसके लिए चिकित्सा कर्मचारी नियमित निगरानी करें। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में टीबी के लक्षण, रोकथाम और मुफ्त इलाज को लेकर व्यापक जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाएं।

सैंट्रलाइज्ड किचन उद्घाटन के लिए तैयार



मेदक, 22 सितंबर मुख्यमंत्री नाशता योजना के तहत मेदक, सिद्दीपेट और कामारेड्डी जिलों के विद्यार्थियों को नाश्ता उपलब्ध कराने के लिए स्थापित सैंट्रलाइज्ड किचन जल्द ही शुरू किया जाएगा, यह जानकारी जिला कलेक्टर प्रतिमा सिंह ने दी। मंगलवार को उन्होंने मेदक कृषि मार्केट यार्ड स्थित किचन का निरीक्षण किया और मशीनों व सामग्री की जानकारी ली। कलेक्टर ने बताया कि मेदक जिले के 395 सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले करीब 30 हजार विद्यार्थियों को पौष्टिक नाश्ता उपलब्ध कराया जाएगा।

आयुष सेवाओं के विस्तार पर केंद्र का जोर

नई दिल्ली, 22 सितंबर 11वें आयुर्वेद दिवस के अवसर पर केंद्र सरकार ने 'स्वस्थ भविष्य के लिए आयुर्वेद' थीम के तहत आयुष सेवाओं के विस्तार पर जोर दिया। सरकार के अनुसार, देशभर में 12,260 आयुष स्वास्थ्य केंद्र कार्यरत हैं, जबकि 13,249 सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में आयुष सेवाएं उपलब्ध हैं। राष्ट्रीय आयुष मिशन के तहत 2014-15 से 2025-26 तक राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को ₹6,406.99 करोड़ से अधिक की राशि जारी की गई है। केंद्र ने बताया कि ई-संजीवनी के माध्यम से 50 करोड़ से अधिक मरीजों को सेवाएं दी गई हैं, जिनमें आयुष ओपीडी सेवाएं भी शामिल हैं। आयुष उपचारों को स्वास्थ्य बीमा कवरेज में शामिल किया गया है। 2026-27 के केंद्रीय बजट में आयुष मंत्रालय के लिए ₹4,408 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम पर विशेष ध्यान दें



कामारेड्डी, 22 सितंबर जिला कलेक्टर आशीष सांगवान ने अधिकारियों को सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। मंगलवार को आईडीओसी में आयोजित जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में उन्होंने एनएच-44 पर फुट ओवर ब्रिज और एनिमल अंडरपास की स्थापना के लिए कदम उठाने को कहा। स्कूली विद्यार्थियों को समता से अधिक ले जाने वाले ऑटो पर कड़ी कार्रवाई करने तथा एनएच-44 और एनएच-161 के किनारे स्थित अवैध ढाबों को हटाने के निर्देश दिए। बैठक में एसपी राजेश थंडर, वन विभाग अधिकारी नीरज सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

की नई एडवाइजरी, राज्यों को मानव तस्करी विरोधी अभियान तेज करने का निर्देश

नई दिल्ली: गृह मंत्रालय (ड॰) ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों और पुलिस महानिदेशकों (वृ॰) से मानव तस्करी से निपटने के लिए अधिक तालमेल वाला और तकनीक पर आधारित तरीका अपनाने को कहा है। साथ ही, इस बात पर जोर दिया है कि नए आपराधिक कानून का प्रभाव काफी हद तक जमीनी स्तर पर उनके लागू होने पर निर्भर करेगा, मानव तस्करी का मुकामला करने पर जारी एडवाइजरी में, गृह मंत्रालय ने एंटी-ह्यूमन ट्रेफिकिंग यूनिट्स (ए॰) को मजबूत करने, पीड़ितों की पहचान में सुधार करने और तस्करी नेटवर्क को ट्रैक करने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग करने के अलावा, भारतीय न्याय संहिता (वृ॰), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (वृ॰) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (वृ॰) के अधिक उपयोग का आह्वान किया है। मंत्रालय ने हाल ही में जारी अपनी एडवाइजरी में, जांच अधिकारियों से विशेष रूप से वृ॰ की धारा 111 की प्रासंगिकता की जांच करने के लिए कहा है, जो संगठित अपराध से संबंधित है और इसके दायरे में मानव तस्करी भी शामिल है। यह प्रावधान संगठित अपराध के लिए वैधानिक शर्तों को पूरा करने पर तस्करी से जुड़ी गैरकानूनी गतिविधि जारी रखने पर लागू हो सकता है। एडवाइजरी में बच्चों और एक से अधिक पीड़ितों से जुड़े मामला, सहित मानव तस्करी के मामलों में वृ॰ की धारा 143 और 144 को सख्ती से लागू करने का आह्वान किया गया है। धारा 143 के तहत, धमकी, बल, जबरदस्ती, अपहरण, धोखाधड़ी, छल, सत्ता के दुरुपयोग या प्रलोभन जैसे तरीकों का उपयोग करके शोषण के वास्तो किसी व्यक्ति की भर्ती करने, उसे ले जाने, छिपाने, स्थानांतरित करने या प्राप्त करने को मानव तस्करी के रूप में परिभाषित किया गया है। इस कानून में बच्चों या एक से अधिक बच्चों की तस्करी किए जाने पर कठोर दंड का प्रावधान है।



गृह मंत्रालय ने राज्यों से आग्रह किया है कि वे अपना ध्यान निचले स्तर के अपराधियों से आगे बढ़ाकर जांच पर केंद्रित करें और मानव तस्करी नेटवर्क के फाइनेंसर (वित्तपोषक), ऑर्गनाइजर (संचालक) और अन्य सदस्यों की पहचान करें। साथ ही, मंत्रालय ने ऐसे आपराधिक अभियानों से जुड़ी संपत्तियों का पता लगाने और उन्हें जब्त करने पर भी जोर दिया। महत्वपूर्ण बात यह है कि इस एडवाइजरी में डिजिटल साक्ष्यों को केंद्रीय भूमिका दी गई है। जांचकर्ताओं को एन्क्रिप्टेड चोट, वित्तीय लेनदेन के रिकॉर्ड, भौगोलिक स्थिति की जानकारी और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों को सुरक्षित करने के लिए कहा गया है। गृह मंत्रालय ने इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड से जुड़े वृ॰ के प्रावधानों पर भी प्रकाश डाला है और पुलिस बलों से ऐसे सबूतों को इकट्ठा करने और उन्हें सुरक्षित रखने की अपनी क्षमता को मजबूत करने के लिए कहा है। एडवाइजरी में कहा गया है, "एन्क्रिप्टेड चोट, वित्तीय लेनदेन और जियोलोकेशन डेटा सहित डिजिटल साक्ष्यों को सुरक्षित करने के लिए भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 के प्रावधानों का उपयोग किया जाना चाहिए।"

एडवाइजरी में तलाशी और छापेमारी के दौरान तकनीक के उपयोग पर विशेष जोर दिया गया है। यह वृ॰ के तहत तलाशी और जब्त के अभियानों की अनिवार्य रूप से ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग करने की मांग करता है और बचाव तथा छापेमारी के अभियानों के दौरान फोरेंसिक साक्ष्य जुटाने पर जोर देता है। ड॰ ने राज्यों को मानव तस्करी विरोधी इकाइयों (ए॰) को मजबूत करने का भी निर्देश दिया है, जिन्हें निर्भया फंड के तहत वित्तीय सहायता मिली है। राज्यों से यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है कि इन इकाइयों में पर्याप्त कर्मचारी हों, वे विशेषज्ञता प्राप्त हों और सिर्फ औपचारिक ढांचे के रूप में काम करने के बजाय फील्ड ऑपरेशंस में सक्रिय रूप से शामिल हों।

एजेंसियों के बीच समन्वय का आह्वान लेबर ट्रेफिकिंग के लिए, इस एडवाइजरी में मानव तस्करी विरोधी इकाइयों (ए॰), पुलिस, श्रम विभागों और अन्य एजेंसियों के बीच औपचारिक समन्वय का आह्वान किया गया है। विशेष रूप से ईट भूतों, पत्थर खदानों, कपड़ा और घरेलू काम जैसे क्षेत्रों में, राज्यों को तस्करी के मामलों के लिए विशेष सरकारी वकीलों को नामित करने और विशेष अदालतों में मुकदमों को प्राथमिकता देने के लिए उच्च न्यायालयों के साथ समन्वय करने की भी राहलाह दी गई है। गृह मंत्रालय ने पीड़ितों की पहचान करने के व्यापक प्रोटोकॉल बनाने का आह्वान किया है, जिसमें विशेष रूप से उन पुरुषों और लड़कों पर ध्यान देने की बात कही गई है जिन्हें मजदूरी कराने के लिए तस्करी का शिकार बनाया जा सकता है। पुलिस और श्रम अधिकारियों को उच्च

विश्व ब्राह्मणों के आर्थिक विकास के लिए खास काम

दिल्ली में 33 लाख के करीब मतदाताओं को नोटिस, कई टटप्प भी शामिल, जानिए टॉप-10 कारण

नई दिल्ली: राजधानी दिल्ली में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (रि॰) अभियान के तहत इन दिनों प्रशासनिक गलियारों से लेकर आम नागरिकों के बीच हड़कें मचा हुआ है। चुनाव आयोग की ओर से 31 अगस्त को जारी किए गए ड्राफ्ट वोटर लिस्ट के बाद, डेटा में पाई गई विसंगतियों और तकनीकी कमियों को दूर करने के लिए धड़ाधड़ नोटिस भेजे जा रहे हैं। अब तक लगभग 33 लाख (32,27,443) मतदाताओं को नोटिस जारी किए जा चुके हैं। जिसमें देश के कई दिग्गज राजनेता, पूर्व वीवीआईपी और शीर्ष अधिकारी भी शामिल हैं।

चुनाव आयोग के आंकड़ों और मैडेट एनालिटिक्स एड कंसल्टिंग के विश्लेषण के अनुसार, अधिकांश मतदाताओं को केवल एक ही कारण से नोटिस मिला है, जबकि कुछ मामलों में दो या उससे अधिक विसंगतियां भी दर्ज की गई हैं। आइए जानते हैं वे टॉप-10 कारण जिनके आधार पर सबसे ज्यादा लोगों को नोटिस धमाए गए हैं।

अशोक कुमार, मुख्य निर्वाचन अधिकारी, दिल्ली (ए॰) टी॰टी॰) वृ॰) भेजे गए मतदाताओं को नोटिस, टॉप-10 कारण डेटा के अनुसार उन 10 प्रमुख वजहों की सूची नीचे दी गई है, जिनके कारण दिल्ली के मतदाताओं को सबसे अधिक नोटिस मिले हैं। पिछले एसआईआर से मैपिंग न होना: यह सूची में सबसे बड़ा कारण है। कुल 13,40,213 यानी 41.51 फीसदी मामले इसी श्रेणी से जुड़े हैं। इसमें पूर्व उप-प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, केंद्रीय मंत्री एस जयशंकर, चुनाव आयुक्त एसएस संघ, पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और कई वरिष्ठ नोकरशहों के नाम शामिल हैं, जिनके मौजूदा रिकॉर्ड पिछले एसआईआर डेटा से नहीं जुड़ पाए। माता-पिता के नाम में अंतर: दूसरे नंबर पर यह बड़ी वजह है, जिसके तहत 765,112 लगभग 23.71 फीसदी नोटिस भेजे गए हैं। इसमें फॉर्म में भरे गए माता-पिता के नाम और पुराने डेटाबेस के नाम में भिन्नता पाई गई है।

स्वयं के नाम में अंतर: मतदाता के अपने नाम की स्पेलिंग या सरनेम में अंतर के चलते 544,504 (16.86 फीसदी) लोगों को नोटिस का सामना करना पड़ा है। संतान की आयु का 9 महीने से कम अंतर: तालिका विसंगतियों के तहत 208,697 (6.47 फीसदी) मामलों में माता-पिता और बच्चों की उम्र के बीच का अंतर 9 महीने से कम दर्ज पाया गया है। माता-पिता की आयु का अंतर 15 वर्ष से कम: इस तकनीकी गड़बड़ी के कारण 160,795 (4.98 फीसदी) नोटिस जारी किए गए हैं। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को भी इस कारण ही आयोग ने नोटिस भेजा था, 6 या उससे अधिक संतानें:



रिकॉर्ड के मुताबिक 137,492 (4.26 फीसदी) मामलों में बच्चों की संख्या 6 या उससे अधिक दर्ज होने पर स्पष्टीकरण मांगा गया है।

माता-पिता की आयु का अंतर 50 वर्ष से अधिक: उम्र के इस असंतुलन के चलते 80,626 (2.50 फीसदी) मतदाताओं के फॉर्म होल्ड पर रखे गए हैं। दादा-दादीधाना-नानी की आयु का अंतर 40 वर्ष से कम पीढ़ियों के अंतराल से जुड़े इस अंतर के कारण 72,581 (2.25 फीसदी) नोटिस गए हैं। कारण दर्ज नहीं: कई ऐसे तकनीकी मामले भी सामने आए हैं जहां सिस्टम ने नोटिस तो भेज दिया लेकिन उसकी ठोस वजह रिकॉर्ड में दर्ज नहीं हो पाई। ऐसे मामलों की संख्या 58,163 (1.80 फीसदी) है। पिछले एसआईआर में माता-पिता का अयोग्य होना: यह सबसे कम यानी सिर्फ 178 (0.01 फीसदी) मामलों में देखने को मिला, जहां पिछली प्रक्रिया में माता-पिता को अयोग्य पाया गया था।

घबराए नहीं, नोटिस मिलने का मतलब नाम काटना नहीं है। हालांकि इन नोटिस को लेकर मुख्य निर्वाचन अधिकारी अशोक कुमार ने कहा है कि इतने बड़े पैमाने पर नोटिस मिलने का यह कतई मतलब नहीं है कि संबंधित मतदाता का नाम सूची से काट दिया गया है। यह केवल डेटा सुधार और ईसिनेट (ए॰) प्रणाली को दुरुस्त करने की एक प्रक्रिया है। अगर आपको या आपके परिवार को भी 'ए' प्रक्रिया के तहत ऐसा कोई नोटिस मिला है, तो घबराने की जरूरत नहीं है। निर्धारित समय सीमा के भीतर अपने संबंधित विधानसभा क्षेत्र के बृथ लेवल ऑफिसर या निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी (ए॰) के पास जाकर आवश्यक दस्तावेज व साक्ष्य जमा करवाएं, ताकि आपकी प्रतिष्ठा को अंतिम सूची में वैध किया जा सके। नेशनल कौन फॉर पीपल्स राइट टू इन्फॉर्मेशन की सहसंयोजक अंजलि भारद्वाज ने कहा कि, इलेक्शन कमीशन ने 33 लाख लोगों को और नोटिस जारी किए हैं कि आप अगर ग़ुब नहीं कर पाते कि आप सिटीजन हैं, तो आपका नाम भी डिलीट कर दिया जाएगा। मतलब 90 लाख से ज्यादा पोटेंशियल डिलीशंस हो सकती है,

एसआईआर और प्री-एसआईआर फेस के अंदर.

33 लाख लोगों को नोटिस

उन्होंने कहा, तो बड़ा सवाल तो यही उठता है कि 2025 में फरवरी में जो चुनाव हुए, उसके जो नतीजे आए उसमें भारतीय जनता पार्टी जीती, रेखा गुप्ता चीफ मिनिस्टर बनीं, तो क्या उन चुनावों के नतीजों पर विरोध किया जा सकता है, क्योंकि अगर वोटर लिस्ट इतनी खराब थी तो फिर किसने वोट किया, किसने चुनाव और उन नतीजों को कैसे हम विश्वसनीय देखे, दूसरी

बात यह है कि जब इलेक्शन कमीशन ने नोटिस जारी किए, कहा कि कुछ लॉजिकल डिस्क्रिपेंसीज हैं, कुछ अनमैड लोग हैं जिन्हें कि अब अपने दस्तावेज दिखाने होंगे, अब लोगों को नोटिस दिए जा रहे हैं, ऐसे लोग जो कि वोटर लिस्ट में पहले फेज के बाद आ गए थे, करीब 1 करोड़ लोगों में से 33 लाख लोगों को नोटिस भेजे गए। पारदर्शिता के बिना काम नहीं होना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा, इलेक्शन कमीशन ने न लिस्ट मुद्दा कराई और न ही कारण बताया कि नोटिस क्यों भेजे जा रहे हैं। दिल्ली की जनता को यह मालूम ही नहीं पड़ रहा कि अगर उनका नाम फर्स्ट लिस्ट में आ गया वोटर लिस्ट में तो क्या वह निश्चित होकर बैठ जाएं कि उन्हें नोटिस आ सकता है, एक याचिका हम लोग ने दायर की सुप्रीम कोर्ट में, जिसमें यह कहा गया कि पारदर्शिता के बिना यह काम नहीं होना चाहिए, वोटर लिस्ट को पब्लिक डोमेन में डाला जाना चाहिए। साथ ही लॉजिकल डिस्क्रिपेंसी किसे कहा जा रहा है, वह क्राइटेरिया भी बताने की जरूरत है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को भी भेजा गया नोटिस मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को भी भेजा गया नोटिस (ए॰) टी॰टी॰) सीएम भी घरे में कोंटें में कहा कि यह जरूरी मुद्दे हैं, इन्हें प्रेसीडेंस दिया जाएगा और मंगलवार को सुनवाई के लिए रखा, कोर्ट में केस के बाद इलेक्शन कमीशन ने लिस्ट मुद्दा कराई और जब लिस्ट सामने आई तो चौंकाने वाली जानकारी मिली, यह पता चला कि दिल्ली की मुख्यमंत्री खुद इस लॉजिकल डिस्क्रिपेंसी और अनमैपिंग के घेरे में हैं और उन्हें नोटिस थमा दिया गया है, वहीं पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल को भी नोटिस भेजा गया है, इतना ही नहीं, सुप्रीम कोर्ट के कई जज रह चुके लोगों को भी नोटिस दिया गया है, मतलब इलेक्शन कमीशन यह कह रहा है कि इन सभी लोगों को अप्रूव करना होगा कि वह वास्तव में इंडियन सिटीजन हैं, एसआईआर का बनाया जा रहा मजाक!

उत्तराखंड प्रीमियर लीग का सीजन 3 शुरू. देहरादून वॉरियर्स और मसूरी क्वींस ने उत्तराखंड प्रीमियर लीग के पहले दिन की शुरुआत जीत के साथ की.



उत्तराखंड प्रीमियर लीग का सीजन 3 शुरू. देहरादून वॉरियर्स और मसूरी क्वींस ने उत्तराखंड प्रीमियर लीग के पहले दिन की शुरुआत जीत के साथ की. उत्तराखंड प्रीमियर लीग (नर्स) 2026 के तीसरे सीजन का आगाज महिला वर्ग के मुकाबलों से हुआ. पहले दिन देहरादून वॉरियर्स और मसूरी क्वींस ने जीत दर्ज कर टूर्नामेंट में शानदार शुरुआत की. देहरादून के राजीव गांधी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में सोमवार को खेले गए पहले उत्तराखंड प्रीमियर लीग 2026 के ओपनिंग सेरेमनी मुकाबले में देहरादून वॉरियर्स ने पिथौरागढ़ हरिकेन्स को 7 विकेट से हराया. देहरादून वॉरियर्स की कप्तान श्वेता वर्मा ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया. बल्लेबाजी के लिए उत्तरी पिथौरागढ़ हरिकेन्स की शुरुआत धीमी रही और देहरादून के गेंदबाजों ने लगातार दबाव बनाए रखा. उत्तराखंड प्रीमियर लीग सीजन

3 का आगाज (टपकमद- स्मूट टीतंज) टीम की ओर से गायत्री आर्य ने 26, अकिता शाह ने 21 और शगुन घोषरी ने 12 रन का योगदान दिया. इन पारियों की बदौलत पिथौरागढ़ हरिकेन्स ने निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 84 रन बनाए. देहरादून वॉरियर्स की ओर से मीनाक्षी जोशी सबसे सफल गेंदबाज रही. उन्होंने अपने 4 ओवर के स्पेल में महज 11 रन देकर 3 महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए. जबकि वैशाली तोलेरा ने 2 विकेट झटकें. 85 न के लक्ष्य का पीछा करने उत्तरी देहरादून वॉरियर्स ने शुरुआत से ही संयमित बल्लेबाजी की. अकिता बिष्ट ने नाबाद 29 रन की उपयोगी पारी खेली. जबकि करीना नेगी ने 26 रन बनाए। कप्तान श्वेता वर्मा ने भी 12 रन का योगदान दिया. देहरादून वॉरियर्स ने 14.1 ओवर में 3 विकेट खोकर 85 रन बनाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया. गेंद से शानदार

प्रदर्शन करने वाली मीनाक्षी जोशी को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया. टीम की कप्ती हुई गेंदबाजी ने पिथौरागढ़ को बड़ा स्कोर बनाने से रोक और बाद में बल्लेबाजों ने लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया. दूसरा मुकाबला: दिन के दूसरे मुकाबले में मसूरी क्वींस और बागेश्वर एरियल के बीच मुकाबला खेला गया. मसूरी क्वींस की कप्तान नंदिनी कश्यप ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया. बागेश्वर एरियल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 106 रन बनाए. टीम की कप्तान प्रेमा रावत ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए महज 19 गेंदों में 36 रन बनाए. उनकी पारी में 5 चौके और 1 छक्का शामिल रहा. वहीं निर्जला ने 20 रन बनाए. मसूरी क्वींस की ओर से रोशनी दानू और आरियांशी तोमर ने 2-2 विकेट हासिल किए. 107 रन के लक्ष्य का पीछा करने उत्तरी मसूरी क्वींस की पारी के दौरान बारिश ने मुकाबले का समीकरण बदल दिया. तेज बारिश के कारण खेल बाधित हुआ और मैच के ओवर कम करने पड़े. डकवर्थ-लुईस (व्से) नियम के तहत मसूरी क्वींस को 11 ओवर में 62 रन का संशोधित लक्ष्य दिया गया. बारिश के बाद पिच पर बल्लेबाजी आसान नहीं थी और गेंद के नीची रहने के बीच मसूरी क्वींस ने जोखिम कम लेते हुए लक्ष्य का पीछा किया. टीम ने 9 ओवर में ही एक विकेट के नुकसान पर 62 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया. मसूरी क्वींस की जीत में सलागी

ग्लोबल मार्केट की मजबूती से भारतीय बाजारों में रौनक से संसेक्स 64 अंक चढ़ा



अंतरराष्ट्रीय बाजार से मिले सकारात्मक संकेतों और कच्चे तेल की कीमतों में आई नरमी के चलते मंगलवार को भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई. शुरुआती कारोबार में घरेलू शेयर बाजारों में हल्का सुधार देखने को मिला. सुबह 9:20 बजे बीएसई सेंसेक्स लगभग 64 अंक या 0.10 प्रतिशत की मजबूती के साथ 74,914 के स्तर पर कारोबार कर रहा था. वहीं, एनएसई निफ्टी 50 भी 34 अंक या 0.15 प्रतिशत बढ़कर 23,449 के पार पहुंच गया. निडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में रही रौनक मुख्य सूचकांकों की तुलना में आज ब्रॉड-कैप इंडेक्स का प्रदर्शन अधिक बेहतर रहा. छोटे और मझोले शेयरों में निवेशकों ने जमकर खरीदारी की, जिसके कारण निफ्टी मिडकैप 100 में 0.33 प्रतिशत और निफ्टी स्मॉलकैप 100 में 0.40 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई. रियल्टी और केमिकल सेक्टर चमके, आईटी में गिरावट सेक्टरवार प्रदर्शन की बात करें तो नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर अधिकांश सेक्टरों हरे निशान में कारोबार कर रहे थे. निफ्टी रियल्टी आज 1 प्रतिशत की तेजी के साथ सबसे ज्यादा मुनाफे में रहा. इसके बाद केमिकल सेक्टर में 0.64 प्रतिशत का उछाल देखा गया. दूसरी तरफ, निफ्टी आईटी में 1.09 प्रतिशत की बड़ी गिरावट दर्ज की गई, जबकि एफएमसीजी सेक्टर 0.01 प्रतिशत की

मागूली कमजोरी के साथ सपाट स्तर पर दिखा. बाजार में तेजी के मुख्य कारण कच्चे तेल की कीमतों में सुधार. वैश्विक बाजार में डब्ल्यूटीआई क्रूड फिसलकर 92 से 93 डॉलर प्रति बैरल के दायरे में आ गया है. भारत जैसे देश के लिए यह एक बड़ी राहत है, जिससे देश के घातू खाता घाटे पर दबाव कम होगा. मजबूत रुपया और घरेलू फंड्स का सहारा. भारतीय रुपय में आई मजबूती से नैप्रो-इफोर्नामिक मोर्वे पर राहत मिली है. हालांकि 21 सितंबर को विदेशी संस्थागत निवेशकों (व्हे) ने 576 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, लेकिन घरेलू संस्थागत निवेशकों (व्हे) ने 2,800 करोड़ रुपये की मार खरीदारी करके बाजार को संभाल लिया. ग्लोबल मार्केट की मजबूती: अमेरिकी बाजारों में बीती रात शानदार तेजी रही, जहां नैस्डैक 2.26

प्रतिशत उछला. इसी तर्ज पर एशियाई बाजारों में भी मजबूती रही. जापान का निक्केई 1.38 प्रतिशत और दक्षिण कोरिया का कोरसी 1.89 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे. क्या हैं निफ्टी और बैंक निफ्टी के अहम स्तर? बाजार विशेष्ज्ञों के अनुसार, निफ्टी 50 के लिए नीचे की तरफ 23,250-23,300 के स्तर पर मजबूत सपोर्ट मौजूद है, जबकि ऊपर की तरफ 23,550-23,600 के स्तर पर रेजिस्टेंस (रुकावट) देखा जा सकता है. वहीं, पिछले सत्र में 56,470 पर बंद हुए बैंक निफ्टी के लिए 56,000-56,300 का स्तर अहम सपोर्ट और 56,800-57,000 का स्तर बड़ी रुकावट साबित हो सकता है. बाजार के जानकारों का मानना है कि कीमती धातुओं में स्थिरता आने और फिक्स्ड इनकम पर रिटर्न आकर्षक होने के कारण, निवेशकों को इस समय एक

हाई ब्लड प्रेशर के कारण कैसे हो सकता है हार्ट अटैक, जानिए दोनों के बीच क्या है संबंध



हाई ब्लड प्रेशर, जिसे हाइपरटेंशन भी कहते हैं, लक्षण दिखने से पहले ही कई सालों तक शरीर को चुपचाप नुकसान पहुंचा सकता है. अगर इसका इलाज न किया जाए, तो इससे विकलांगता, खराब जीवन-स्तर या हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसी जानलेवा स्थितियां पैदा हो सकती हैं. ब्लड प्रेशर को मिलीमीटर ऑफ मरकरी (उज २६) में मापा जाता है. आम तौर पर, 130/80 उज २६ या उससे ज्यादा की रीडिंग को हाइपरटेंशन माना जाता है. अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के अनुसार, जब ब्लड प्रेशर लंबे समय तक लगातार बढ़ा ही रहता है, तो यह रक्त वाहिका, जों की दीवारों को नुकसान पहुंचा सकता है, जिससे उनमें छोटे-छोटे कट या दरारें आ सकती हैं. इन क्षतिग्रस्त हिस्सों को ठीक करने के लिए, शरीर खास कोशिकाएं भेजता है जो उस जगह पर थिपक जाती हैं. समय के साथ, इन क्षतिग्रस्त जगहों पर कोलेस्ट्रॉल और फेट जैसे पदार्थ जमा हो सकते हैं, जिससे प्लाक बन जाता है. जैसे-जैसे प्लाक धीरे-धीरे जमा होता है (इस प्रोसेस को एथेरोस्क्लेरोसिस कहते हैं) यह धमनियों के अंदरूनी हिस्से को संकरा कर सकता है और दिल तक खून के बहाव को रोक सकता है. अगर प्लाक फट जाए या टूटकर अलग हो जाए और थक्का बना ले, तो भी खून का बहाव रुक सकता है. जब खून का

बहाव रुक जाता है (चाहे वह प्लाक जमने की वजह से हो या थक्के की वजह से), तो दिल के उस हिस्से को जरूरी ऑक्सीजन और पोषक तत्व नहीं मिल पाते. तभी हार्ट अटैक आता है. हाई ब्लड प्रेशर के कारण कई समस्याएं हो सकती हैं, जैसे कि... आर्टरी को नुकसान पहुंचा देती है. आर्टरी लचीली, मजबूत और लचीली होती है. उनकी अंदर की परत धिकनी होती है, जिससे खून आसानी से बहता है और शरीर के जरूरी अंगों और टिशू तक न्यूट्रिएंट्स और ऑक्सीजन पहुंचता है. समय के साथ, हाई ब्लड प्रेशर आर्टरी से बहने वाले खून के फोर्स को बढ़ा देता है. इससे ये प्रॉब्लम हो सकती है... धमनियों का डैमेज होना और संकुचन— हाई ब्लड प्रेशर धमनियों की अंदरूनी परत की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचा सकता है. जब खाने से मिलने वाला फेट खून में मिलता है, तो वह डैमेज धमनियों में जमा हो सकता है. समय के साथ, धमनी की दीवारें कम लचीली हो जाती हैं. इससे पूरे शरीर में खून का बहाव कम हो जाता है.

एन्यूरिज्म— समय के साथ, कमजोर धमनी से गुजरने वाले खून के लगातार दबाव से धमनी की दीवार का कुछ हिस्सा फूल सकता है. इसे एन्यूरिज्म कहते हैं. एन्यूरिज्म फट सकता है और शरीर के अंदर जानलेवा ब्लीडिंग हो सकती है. एन्यूरिज्म किसी भी धमनी में बन सकता है. लेकिन ये शरीर की सबसे बड़ी धमनी, जिसे एओर्टा कहते हैं, में सबसे ज्यादा आम है. दिल को नुकसान— हाई ब्लड प्रेशर दिल से जुड़ी कई बीमारियां पैदा कर सकता है, जैसे कि... कोरोनरी आर्टरी डिजीज— हाई ब्लड प्रेशर दिल तक खून पहुंचाने वाली धमनियों को संकोड़ और डैमेज कर सकता है. इस नुकसान को कोरोनरी आर्टरी डिजीज कहते हैं. दिल तक बहुत कम खून पहुंचने से सीने में दर्द हो सकता है, जिसे एनजाइना कहते हैं। इससे दिल की धड़कन अनियमित हो सकती है, जिसे अतालता (तातीलजी, उर्पे) कहते हैं. या इससे हार्ट अटैक आ सकता है. हार्ट फेलियर— हाई ब्लड प्रेशर दिल पर दबाव डालता है. समय के साथ, इससे दिल की मांसपेशियां कमजोर या संछा हो सकती हैं और ठीक से काम नहीं कर पाती. ज्यादा दबाव वाला दिल धीरे-धीरे फेल होने लगता है. दिल के बाएं हिस्से का बढ़ना— हाई ब्लड प्रेशर दिल को शरीर के बाकी हिस्सों में खून पंप करने के लिए ज्यादा मेहनत करने पर मजबूर करता है. इससे दिल के निचले बाएं हिस्से, जिसे बायां वेंट्रिकल कहते हैं, की दीवार मोटी हो जाती है और यह हिस्सा बड़ा हो जाता है. मोटा और बड़ा बायां वेंट्रिकल हार्ट अटैक और हार्ट फेलियर का खतरा बढ़ाता है. इससे अचानक दिल की धड़कन रुकने से मौत का खतरा भी बढ़ जाता है, जिसे

हैरी ब्लूक की आंधी में उड़ा श्रीलंका, पहले टी20 में 119 रनों से मिली करारी हार

तीन मैचों की टी20 सीरीज के पहले मैच में मेजबान इंग्लैंड ने श्रीलंका को 119 रनों से करारी मात दी. मंगलवार को साउथैम्प्टन में खेले गए मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने पूर्व कप्तान जोस बटलर के 44 गेंदों में 80 रन और मौजूदा कप्तान हैरी ब्लूक के 49 गेंदों में नाबाद 114 रनों की बदौलत 4 विकेट पर 254 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया. उसके बाद इंग्लैंड के गेंदबाजों ने रही सही कसर पूरी कर दी और मेहमान टीम को 19 ओवर में ही 135 रनों पर ढेर कर दिया. सोनी बेकर सबसे सफल गेंदबाज रहे. उन्होंने 4 ओवर में 12 रन देकर 3 विकेट हासिल किए. जिसमें एक मेडन ओवर भी शामिल था. इसके अलावा लियांम डॉसन और जेमी ओवर्टन को 2-2 विकेट मिले. हैरी ब्लूक की तूफानी पारीप्लेयर ऑफ द मैच रहे हैरी ब्लूक ने मैच में शानदार पारी खेली. उन्होंने सिर्फ 42 गेंदों में अपनी दूसरी ५२०⁺ सेंचुरी पूरी की. उनकी नाबाद 114 रन की पारी में 10 चौके और छह छक्के शामिल थे. इंग्लैंड के कप्तान ब्लूक इस समय बेहतरीन फॉर्म में हैं. उनकी पिछली 8 टी20 इंटरनेशनल पारियों में दो शतक और दो फिफ्टी हैं. ब्लूक सिर्फ टी20 में ही नहीं बल्कि वनडे और टेस्ट के भी एक होनहार खिलाड़ी हैं. इसकी गवाही उनके आंकड़े खुद दे रहे हैं. टेस्ट में उनके नाम 53.08 का औसत और 86.32 का



स्ट्राइक रेट से 3610 रन हैं. जबकि वनडे में उन्होंने अब तक 37.43 की औसत और 105.16 के स्ट्राइक रेट से 1385 रन बना चुके हैं. जबकि ५२०⁺ में 36.55 की औसत और 164.17 का स्ट्राइक रेट से 1645 रन बनाए हैं. हैरी ब्लूक की केविन पीटरसन से तुलना हैरी ब्लूक की केविन पीटरसन से तुलना (पाछे) ब्लूक की पीटरसन से तुलना हैरी ब्लूक की इस तूफानी सेंचुरी से पूर्व कप्तान बेन स्टोक्स काफी ज्यादा खुश नजर आए. उन्होंने उनकी तुलना टीम के मेंटर केविन पीटरसन के साथ की. हालांकि, उन्होंने तुरंत यह भी साफ किया कि उनका मकसद पीटरसन की असाधारण प्रतिभा को कम आंकना नहीं था. स्टोक्स ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'मुझे नहीं लगता कि टैलेंट के मामले में 2 में इंग्लैंड के लिए डेब्यू करने के बाद से 8,500 से ज्यादा रन बना लिए हैं.

में जूच (केविन पीटरसन) की काबि. लियत भी ब्लूक के आसपास आ सकती है. हैरी, तुम वाकई कमाल के खिलाड़ी हो. तुम्हें खेलते हुए देखना बहुत शानदार लगता है.' बता दें कि पीटरसन ने 2004 और 2014 के बीच लगभग 14,000 इंटरनेशनल रन बनाए, जबकि ब्लूक ने 2022 कप्तान बेन स्टोक्स काफी ज्यादा खुश नजर आए. उन्होंने उनकी तुलना टीम के मेंटर केविन पीटरसन के साथ की. हालांकि, उन्होंने तुरंत यह भी साफ किया कि उनका मकसद पीटरसन की असाधारण प्रतिभा को कम आंकना नहीं था. स्टोक्स ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'मुझे नहीं लगता कि टैलेंट के मामले में 2 में इंग्लैंड के लिए डेब्यू करने के बाद से 8,500 से ज्यादा रन बना लिए हैं.

जिम्बाब्वे के स्टार बल्लेबाज ने तोड़ा सचिन तेंदुलकर का एक बड़ा रिकॉर्ड

जिम्बाब्वे के स्टार बल्लेबाज ने तोड़ा सचिन तेंदुलकर का एक बड़ा रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया ने हराते स्पोर्ट्स क्लब में जिम्बाब्वे को पहले वनडे मैच में 59 रनों से मात दे दी. मंगलवार को खेले गए तीन मैचों की सीरीज के पहले मैच में मेहमान टीम नैथ्यू रेनशों की 109 रनों की पारी की बदौलत 8 विकेट पर 294 रन बनाते में सफल रही. जवाब में मेजबान टीम 45.1 ओवर में 235 रनों पर ही ढेर हो गई. जिसमें नाथन एलिस ने पांच विकेट झटकें.



जिम्बाब्वे के महान बल्लेबाज ब्रेंडन टेलर ने एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली. इसके साथ उन्होंने भारत के

महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया. इस मैच में प्लेइंग-11 का हिस्सा बनते ही टेलर वनडे क्रिकेट के इतिहास में सबसे लंबा करियर बनाने वाले बल्लेबाज बन गए. ब्रेंडन टेलर ब्रेंडन टेलर (पाछे) टेलर ने सचिन का तोड़ा रिकॉर्ड जिम्बाब्वे के अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज ब्रेंडन टेलर का वनडे करियर 22 साल और 146 दिन हो गया है. उन्होंने 2004 में डेब्यू किया था. उन्होंने भारत के

एटली को बर्थडे पर मिला बड़ा तोहफा, रिलीज से पहले 'राका' के नाम दर्ज हुआ गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

जवान' डायरेक्टर एटली कुमार का आज (21 सितंबर) जन्मदिन है. इस खास मौके पर उन्हें गिनीज बुक की ओर से खास तोहफा मिला है. जी हां, एटली की आने वाली फिल्म 'राका' ने रिलीज से पहले गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स बुक में अपना नाम दर्ज किया है. इससे एटली का आज का दिन और भी खास हो गया है. सोमवार को सन पिक्चर्स ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट किया है और राका फैंस को बताया है कि फिल्म ने गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स बुक में एक नया रिकॉर्ड दर्ज किया है. मेकर्स ने बताया कि 'राका' ने रियल-टाइम में सबसे ज्यादा लोगों के मोशन-कैप्चर का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है.

पोस्ट के कैप्शन में लिखा मेकर्स ने लिखा है, "इतिहास रचा गया. एक ऐसी वैश्विक जीत जो भारतीय सिनेमा को विश्व मंच पर ले जाती है. 'राका' ने रियल-टाइम में मोस्ट पीपुल मोशन-कैप्चर का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है, जिसमें एक साथ 37 कलाकारों को कैप्चर किया गया. इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए अल्लु अर्जुन और एटली को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स का सर्टिफिकेट मिला. इस पोस्ट के बाद मेकर्स ने इस रिकॉर्ड को बनाने के लिए किताबी मेहनत लगी है. उसकी एक झलक पेश की है. वीडियो में इसमें विदेशी टीम के साथ छोटे बच्चे भी नजर आ रहे हैं, जो किसी एक्शन के लिए शूट करते हुए दिख रहे हैं. वीडियो में विदेशी टीम के साथ छोटे बच्चे भी नजर आ रहे हैं, जो किसी एक्शन के लिए शूट करते हुए दिख रहे हैं. वीडियो में विदेशी टीम के साथ छोटे बच्चे भी नजर आ रहे हैं, जो किसी एक्शन के लिए शूट करते हुए दिख रहे हैं.



इस कामयाबी के लिए एटली, अल्लु अर्जुन और बाकी टीम को बधाई दे रही हैं. 'पुष्पा' एक्टर ने एटली के साथ एक ब्लैक-एंड-व्हाइट तस्वीर अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल पर शेयर की, जिसमें दोनों हंसते हुए नजर आ रहे हैं. इस खास पल को साझा करते हुए अल्लु अर्जुन ने कैप्शन में लिखा, मेरे डायरेक्टर एटली गारु को हैप्पी बर्थडे आपकी सोच और काबिलियत वाले डायरेक्टर के साथ काम करने पर मुझे बहुत गर्व है. आगे भी कुछ शानदार करने का इंतजार रहेगा. 'अल्लु अर्जुन के 44वें जन्मदिन पर, मेकर्स ने फिल्म में एक्टर का पहला लुक जारी किया था. पहले लुक में गंजे अल्लु अर्जुन के रफ-एंड-टफ चेहरे का एक क्लोज-अप शॉट दिखाया गया था. उनका चेहरा थोड़ा भेड़िये के पंजे जैसी चीज से ढका हुआ था. पूरी तस्वीर एक आदिम,

योजना जैसी फील देती है. जाने-माने वीएफएक्स सुपरवाइजर जेम्स मैडिगन, जो 'आयरन मैन 2' और 'ट्रांसफॉर्मर्स: राइज ऑफ द बीस्ट्स' जैसी फिल्मों में काम करने के लिए जाने जाते हैं, ने कहा, "मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी है और मुझे कहना होगा कि मेरा सिर अभी भी घूम रहा है. 'एकैडमी अवॉर्ड विजेता और फ्रैंचवाइज एफएक्स के आर्टिस्टिक डायरेक्टर और सीईओ जस्टिन रैले ने कहा, "इसे (स्क्रिप्ट को) पढ़ने के बाद, मैं सभी क्रिएटर (जीवों) की संभावनाओं और अलग-अलग किरदारों की संभावनाओं को लेकर बहुत उत्साहित हूँ. मेकर्स का दावा है कि यह फिल्म ऐसी होगी जो हर तरह के दर्शकों को पसंद आएगी. बता दें, एटली की निर्देशित फिल्म में बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण भी अहम भूमिका निभाती नजर आएंगी.

अरब सागर में पाकिस्तान ने किया अनुच्छेद 10 का उल्लंघन, युद्धपोत से चढ़ा जहाज के टकराने पर भारत की दो टूक



नई दिल्ली: भारत ने अरब सागर में एक पाकिस्तानी जहाज और भारतीय युद्धपोत के बीच हुई टक्कर के बारे में इस्लामाबाद के आरोपों को शुक्रवार को सिर से खारिज करते हुए कहा कि यह घटना पड़ोसी देश के जहाज की खतरनाक गतिविधियों के कारण हुई. भारतीय पक्ष के अनुसार यह घटना मंगलवार रात को हुई, जब पाकिस्तानी जहाज उत्तरी अरब सागर में नियमित निगरानी मिशन पर तैनात भारतीय नौसेना के अग्रिम मोर्चे के युद्धपोत के करीब आ गया. भारत ने बुधवार को पाकिस्तान के दूतावास प्रमारी साद वरेंच को तलब किया था और राजनयिक स्तर पर विरोध दर्ज कराया था. इसके बाद पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने भारत के दूतावास

प्रमारी सत्यंजल पांडे को तलब किया और आरोप लगाया कि भारतीय युद्धपोत की आक्रामक गतिविधि के कारण यह टक्कर हुई. विदेश मंत्रालय ने अपनी नियमित प्रेस वार्ता में शुक्रवार को कहा कि पाकिस्तानी जहाज ने 1991 के उस समझौते का उल्लंघन करते हुए "खतरनाक" गतिविधि की, जिसके तहत नौसेना के जहाजों को तीन समुद्री मील की दूरी बनाए रखनी होती है. जयसवाल ने भारतीय युद्धपोत की पहचान आईएनएस कोल. काता के तौर पर की, जो एक मिसाइल विध्वंसक है. उन्होंने कहा, "हमारे जताये गए विरोध पर हमने पाकिस्तान की प्रतिक्रिया देखी है. यह वही टालमटोल वाला रवैया है जिसकी हमें उम्मीद थी. हम उसमें

शामिल आरोपों और आरोपों को खारिज करते हैं." उन्होंने कहा कि भारतीय जहाज आईएनएस कोलकाता पश्चिमी अरब सागर में नियमित तैनाती पर था. तभी पाकिस्तानी नौसेना के जहाज 'हुनैन' ने समुद्र में 'अस्वीकार्य और गैर-पेशेवर तरीके' से व्यवहार किया, जिसके परिणामस्वरूप टक्कर हुई. जयसवाल ने कहा, "पीएनएस हुनैन द्वारा खतरनाक तरीके से ओवरटेक करने का कदम अप्रैल 1991 में भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्याभ्यास, युद्धाभ्यास और सैनिकों की आवाजाही के बारे में अग्रिम सूचना देने के लिए हुए समझौते के अनुच्छेद 10 का गंभीर उल्लंघन है. इस अनुच्छेद में कहा गया है कि समुद्र में नौसेना की इकाइयां एक-दूसरे से तीन समुद्री

'जेलर 2' में विद्या बालन की धमाकेदार एंट्री, फर्स्ट लुक में स्वैग देख लोगों को याद आई 'डर्टी पिक्चर' की 'रेशमा'

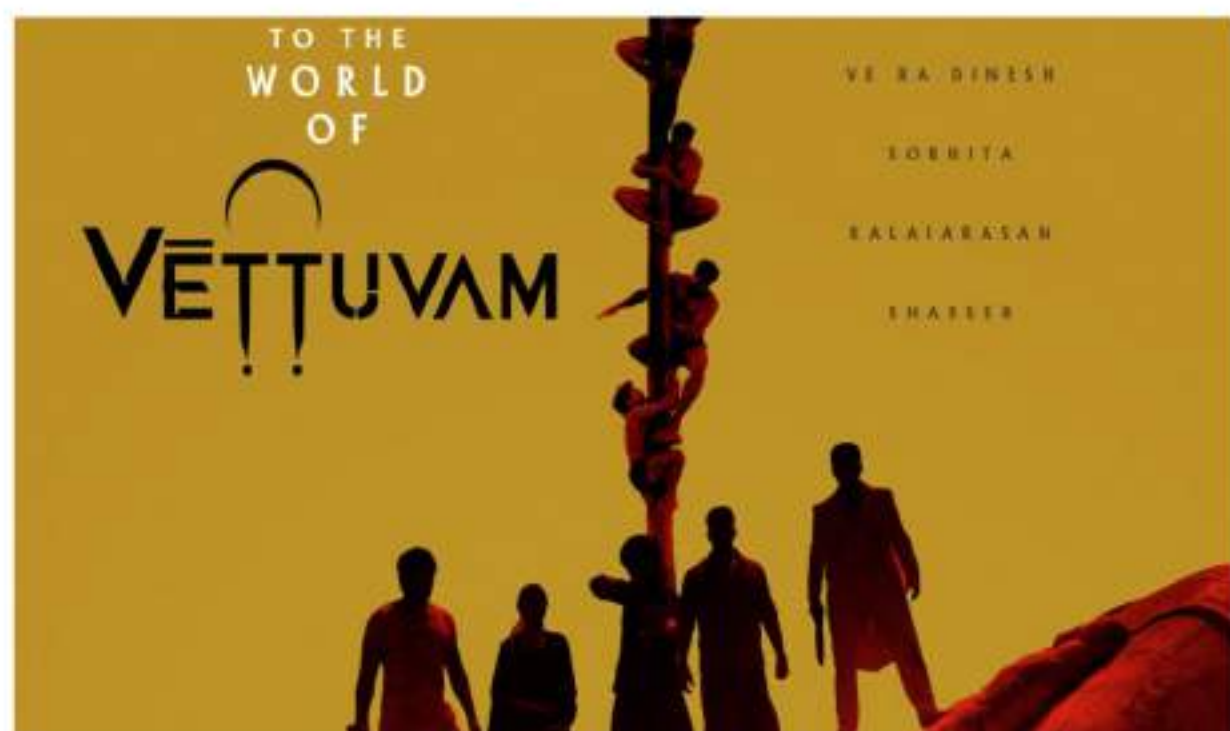
जेलर 2 की रिलीज डेट जैसे-जैसे नजदीक आ रही है. वैसे-वैसे मेकर्स दर्शकों के लिए फिल्म से एक-एक कर सरप्राइज छोड़ रहे हैं. अब जेलर 2 के निर्माता ने रजनीकांत स्टार फिल्म से विद्या बालन की पहली झलक पेश की है. इससे पहले मेकर्स ने एसजे सूर्या का बोधि और सूरज वैजारासू का दिलीप लुक पेश किया था. निर्माताओं ने विद्या के किरदार का पहला टीजर जारी किया है. वह कांथा का किरदार निभा रही हैं, जो एक नया और रहस्यमय किरदार है, जिसे नए वीडियो में दमदार तरीके से पेश किया गया है. विद्या नीली साड़ी और काले ब्लाउज में, हाथ में सिगरेट लिए, सीढ़ियों से उतरकर एक कमरे में जाती हुई दिख रही हैं. इसके अलावा ज्यादा कुछ पता नहीं चलता, लेकिन इस छोटी सी झलक से एक बात स्पष्ट हो जाती है कि कांथा को एक शांत स्वभाव वाली शख्सियत के रूप में पेश नहीं किया जा रहा है. विद्या इस सीन में एक विशेष अधिकार का भाव दर्शाती हैं, जबकि अनिरुद्ध रविचंद्र का संगीत माहौल को और भी प्रभावशाली बना देता है. फिल्म निर्माताओं ने अभी तक कांथा की कहानी में भूमिका का खुलासा नहीं किया है. हालांकि, खबरों के मुताबिक विद्या, मिथुन चक्रवर्ती की सबसे बड़ी बेटा का किरदार



निर्माणां. बताया जा रहा है कि मिथुन जेलर 2 में मुख्य खलनायक हैं और रजनीकांत के साथ स्क्रीन शेयर करेंगे. इससे पहले सोशल मीडिया पर विद्या का जेलर 2 लुक छा गया है और फैंस उन पर खूब प्यार लुटा रहे हैं. कईयों को जेलर 2 में विद्या का यह दमदार अंदाज देख एक्ट्रेस की फिल्म डर्टी पिक्चर में उनका रेशमा का किरदार याद आ गया है. इस किरदार का खुलासा फिल्म निर्माताओं द्वारा जेलर 2 के प्रचार का एक हिस्सा है, जो 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित तमिल फिल्मों में से एक है. इस सीक्वल में रजनीकांत मुथुवेल पांडियन के रूप में वापसी कर रहे हैं, जबकि पहली फिल्म जेलर 2023 की सबसे बड़ी तमिल हिट फिल्मों में से एक बन गई थीनेल्सन दिलीपकुमार

द्वारा निर्देशित फिल्म 'जेलर' मुथुवेल पांडियन की कहानी है. जो एक रिटायर्ड जेलर हैं और उनके बेटे के लापता होने के बाद उनका शांतिपूर्ण जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है. सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म ने भारत में 348.55 करोड़ रुपये का नेट और वर्ल्डवाइड 604.50 करोड़ रुपये का ग्राँस कलेक्शन किया था.

जेलर 2 के बारे में जेलर 2 में राम्या कृष्णन, योगी बाबू, मिर्ना और रितिक अहम किरदारों में वापसी कर रहे हैं. इस सीक्वल में एसजे सूर्या, मिथुन चक्रवर्ती, विद्या बालन, सूरज वैजारासू, अन्ना राजन और जतिन सरना जैसे प्रभावशाली नए कलाकार की सरप्राइजिंग एंट्री है. फिल्म में कई कंमियो भूमिकाओं की भी उम्मीद है. खबरों के अनुसार मो. हनलाल, शिव राजकुमार, जैकी श्रॉफ, विजय सेतुपति और ऋतिक रोशन इस प्रोजेक्ट से जुड़े हैं. हालांकि निर्माताओं ने अभी तक सभी संभावित भूमिकाओं की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है. विद्या के कांथा के रूप में शामिल होने के साथ ही, जेलर 2 की कार्ट का एक और हिस्सा तय हो गया है. फिल्म 15 अक्टूबर, 2026 को



हैदराबाद: पा. रंजीत अपनी फिल्म 'वेट्टुवम' के एलान के साथ पैन-इंडिया फिल्मों की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं. ऐसे में खबर हमारे आने के साथ ही लोगों में इसे लेकर जबरदस्त उत्साह देखने मिल रहा है. मेकर्स ने घोषणा के समय किए वादे के मुताबिक फिल्म की सबसे ज्यादा इंटोज जा रही झलक से पर्दा उठा दिया है. बता दें कि यह कुछ ऐसा है जिसे कभी किसी ने नहीं देखा है. फिल्म की कहानी अलग-अलग समय में लेकर जाती है, जिसमें दर्शक कई कलाकारों को अपनी भूमिका निभाते देखेंगे. इसका साथ ही यह बात भी साफ हो गयी है कि फिल्म डायरेक्टर हार बार की तरह इस साथ भी कुछ अलग करते हुए पैन इंडिया लेवल पर हलचल मचाने वाले हैं. मेकर्स ने एक वीडियो शेयर किया है जिसमें 'वेट्टुवम' की दुनिया को देखा जा सकता है. कई भाषों में साझा किये गए वीडियो में जहां हिंदी में पंकज त्रिपाठी की आवाज है, वहीं तमिल वर्जन में पा. रंजीत, तेलुगु में राणा दग्गुबाती, कन्नड़ में किष्क्या सुदीप और मलयालम में सोबिन शाहिर की आवाज सुनने को मिल रही है. बता

दें कि वे सभी वीडियो में फिल्म के अलग-अलग पहलुओं के बारे में बता करते हुए उनपर रोशनी डाल रहे हैं. फिल्म बीते हुए कल के उन नतीजा. पर रोशनी डालती है, जिनका असर हमारे आज पर पड़ रहा है और वह हमारे आने वाले कल यानी भविष्य को आकार दे सकते हैं. यह चीजें आखिरकार प्राकृतिक आपदाओं का कारण बन सकती हैं. बताया गया है कि यह बार-बार आने वाली आपदाएं इसानों के भविष्य पर बड़ा असर डालकर उसे प्रभावित कर सकती हैं. मेकर्स द्वारा शेयर किये गए वित्त्वस फर्स्ट लुक में कई गुटों के बीच वर्चस्व की लड़ाई लड़ते हुए दिखाया गया है. इसी लड़ाई को फिल्म में 'वेट्टुवम' का नाम दिया गया है. इस फिल्म के जरिए मल्लखंब को अलग नजरिये से दिखाया गया है. बता दें कि यह एक पारंपरिक खेल है, जिसे स्क्रीन पर पेश किया जाने वाला है. इसके साथ ही फर्स्ट लुक में एक्टर की भी दमदार झलक देखने मिल रही है, जिससे दर्शकों के बीच फिल्म की उसकी कहानी को लेकर दिलचस्पी बढ़ गयी है. फिल्म में बेहद टैलेन्टेड स्टार कास्ट है, जिसमें आर्या, पी. आर. दिनेश, शोभिता धुलिपाला, कलैयारासन, माइम गोपी, गुरु सोमा.

सुंदरम, शबीर कल्लाशकल, जॉन विजय, साई धीना, आनंद सागी, हरीश उधमन, लिजी, लिंगेश प्रेम कुमार, कविता भारती, अर्जुन, संथा कुमार, मनीषा, निम्मी, विक्रम, नवीन, और प्रकाश का नाम शामिल है. इसके साथ ही फिल्म के म्यूजिक को उसकी कहानी के हिसाब से जी.वी.प्रकाश कुमार बना रहे हैं, जो साजिश की एक और परत जोड़ता है. म्यूजिक पा. रंजीत द्वारा बनाई हुई दुनिया के इर्द-गिर्द एक अनोखी आभा बनाता है. बात करें पा. रंजीत की तो उन्हें सुपरहिट फिल्मों जैसे 'कबाली', 'काता', 'सरपड़ा परमबराई', और 'थंगलान' को डायरेक्ट करने के लिए जाना जाता है. पा. रंजीत अपनी फिल्म 'वेट्टुवम' के साथ वापसी कर रहे हैं. इस फिल्म को पा. रंजीत न सिर्फ डायरेक्ट कर रहे हैं बल्कि उन्होंने इसे लिखा भी है. यह फिल्म तमिल, तेलुगु, हिंदी, मलयालम, और कन्नड़ में पैन-इंडिया रिलीज के लिए तैयार है. फिल्म को एस. साई देवानंद, एस. साई वेंकटेश्वरन और पा. रंजीत द्वारा प्रोड्यूस किया जा रहा है. फिल्म को जॉन एंड टीच प्रोडक्शन और 'नीलम प्रोडक्शन' के बैनर तले बनाया जा रहा है, जो दिसंबर 2026 में रिलीज होगी.

'टॉक्सिक' से 5 दिन पहले चुपके से आई कॉमेडी ड्रामा 'मोधा रात्रि'

इस साल अगस्त में सिनेमाघरों में कई फिल्में रिलीज हुईं, जिनमें से कई तो सिनेमाघरों में छा गईं, मगर कई दर्शकों के दिल नहीं जीत सकीं। अगस्त में 'टॉक्सिक' से लेकर 'हनुमान अंश' जैसी फिल्में रिलीज हुईं. जहां 'टॉक्सिक' ने रिलीज के पहले सुर्खियां बटोरीं तो वहीं 'हनुमान अंश' ने रिलीज के कुछ दिनों बाद और अब तक सिनेमाघरों में ये फिल्म छाई है। इसी बीच रिलीज हुई कॉमेडी ड्रामा फिल्म 'मोधा रात्रि' भी काफी चर्चा में रही। चुपके से थिएटरों में दस्तक देने वाली ये फिल्म अब डिस्ट्रिब्यूट प्रीमियर के लिए तैयार है। मेकर्स ने इसकी ओटीटी रिलीज की आधिकारिक तौर पर घोषणा कर दी



है। 'मोधा रात्रि' की ओटीटी रिलीज सिनेमाघरों के बाद अब कॉमेडी ड्रामा 'मोधा रात्रि' ओटीटी पर दस्तक देने वाली है। मेकर्स ने सोशल मीडिया के जरिए इसकी ओटीटी रिलीज का

ऐलान कि है, जिसके अनुसार ये फिल्म 18 सितंबर को ओटीटी पर रिलीज होगी। निर्देशक राजा करुणसामी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में ऋषिकांत और अनिशमा अनलकुमार जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में हैं। ऋषिकांत के लिए ये फिल्म इसलिए भी खास है, क्योंकि बतौर लीड एक्टर ये युनकी पहली फिल्म है। क्या है 'मोधा रात्रि' की

कहानी? 'मोधा रात्रि' की कहानी अरेंज मैरिज की जटिलताओं के इर्द-गिर्द घूमती है। कहानी दो ऐसे लोगों की है, जो पारिवारिक दबाव में एक-दूसरे से